तापमान

अधिकतम 28 .3 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार 22 मार्च 2026

10 जब हाईटेंशन लाइन तक पहुंचने लगे तो दिखे पेड़...

10 सार्थक शोध वही है जो समाज की समस्याओं....

पहले वाले विक्षोभ की गतिविधियां 22 मार्च को, दूसरे का असर 23 से 25 तक रहेगा

दस्तक देंगे 2 पश्चिमी विक्षोभ, बढ़ेगी परेशानी

सुबह छाई धुंध देख लोग हो गए दंग, पारा भी गिरा

26 मार्च तक मौसम का बदलता रहेगा मिजाज, अलर्ट रहें

धुंध के कारण दृश्यता 30 मीटर तक रही, वाहन रेंगकर सड़कों से गुजरे

■

अधिकतम पारा 25 डिग्री रहा जो सामान्य से 5.8 डिग्री कम

■

सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक 129 रहा। यह मध्यम श्रेणी में आता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बारिश के बाद शनिवार सुबह घनी धुंध छाई। इस धुंध के बीच 30 मीटर दृश्यता के साथ वाहन सड़कों पर गुजरे। हालांकि, दो दिन बारिश के बाद ठंडी हवाओं से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य के मुकाबले 5.8 डिग्री सेल्सियस कम है। शुक्रवार को अधिकतम तापमानप 21 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य तापमान के मुकाबले 1.1 डिग्री सेल्सियस कम है। सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक 129 रहा। यह मध्यम श्रेणी में आता है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदलता रहेगा। कृषि मौसम विज्ञान विभाग, चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़, अनुसार राज्य में 26 मार्च तक मौसम सामान्यतः परिवर्तनशील बना रहेगा। इस दौरान पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता मौसम के इस नाटक की पटकथा लिखेगी। पहला पश्चिमी विक्षोभ 22 मार्च को दस्तक देगा। इसके आंशिक प्रभाव से 23 से 25 मार्च के बीच प्रदेश में आसमान पर हल्के बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। कभी धूप बादलों से आंख-मिचौली खेलेगी तो कभी हल्की से मध्यम गति की हवाएं चलेंगी, जिससे हल्की ठंडक का एहसास बना रह सकता है।

तेज बारिश की संभावना नहीं

तेज बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। दूसरा पश्चिमी विक्षोभ 25 मार्च की रात से सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से 26 व 27 मार्च को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आंशिक बादलवाई, हवाओं की रफ्तार में बढ़ोतरी और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। यह बारिश भले ही व्यापक न हो, लेकिन खेतों और फसलों के लिए हल्की नमी का संदेश जरूर लेकर आ सकती है। तापमान की बात करें तो दिन के तापमान में अधिक उतार-चढ़ाव की उम्मीद नहीं है। बदलती हवाओं के कारण दिन का पारा लगभग स्थिर रह सकता है, जबकि रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। यानी रातें धीरे-धीरे ठंड से राहत की ओर बढ़ेंगी, लेकिन दिन अभी संतुलित गर्माहट लिए रहेंगे।

फसलों पर मिला-जुला असर

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का परिवर्तनशील मौसम रबी फसलों के लिए मिला-जुला असर लेकर आ सकता है। जहां हल्की बूंदाबांदी और बादल फसलों को कुछ राहत देंगे, वहीं लगातार बदलते मौसम से किसानों को सतर्क रहने की जरूरत है। खासकर कटाई के करीब पहुंच चुकी फसलों के लिए मौसम की यह अनिश्चितता चुनौती भी बन सकती है। कुल मिलाकर, प्रदेश में अगले कुछ दिन मौसम के लिहाज से शांत लेकिन बदलते हुए रहेंगे। न तो पूरी तरह गर्मी का आगमन होगा और न ही ठंड पूरी तरह विदा लेगी। आसमान का यह बदलता रंग किसानों और आम लोगों दोनों को मौसम की चाल पर नजर बनाए रखने का संकेत दे रहा है।

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
Run by : AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
C.B.S.E. AFFILIATION NO. 530982

दुहन पब्लिक रजिडेंसियल स्कूल, जसिया/आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट, रोहतक ने 10+2 साईंस में रचा इतिहास तीन बार हरियाणा और पांच बार जिला टॉप किया।

IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल

IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया

NEET/JEE SELECTION 2025 IN GOVT. MEDICAL COLLEGE

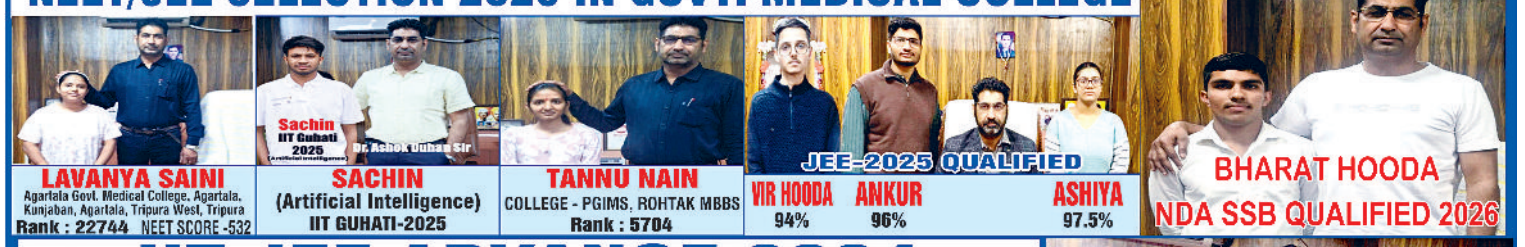

LAVANYA SAINI
Agartala Govt. Medical College, Agartala, Kunjaban, Agartala, Tripura West, Tripura
Rank : 22744 NEET SCORE -532

SACHIN
(Artificial Intelligence)
IIT GUHATI-2025

TANNU NAIN
COLLEGE - PGIMS, ROHTAK MBBS
Rank : 5704

VIR HOODA 94% | ANKUR 96% | ASHIYA 97.5%

IIT JEE ADVANCE 2024

ANSH DUHAN
S/o Dr. Ashok Duhan Sir
Rank : 11002

RISHABH
With Dr. Ashok Duhan Sir
CRL : 17548, OBC_NCL:4315

YASH LAMBA
With Dr. Ashok Duhan Sir
CRL : 11852

NEET/NDA SELECTION 2024 IN MEDICAL COLLEGE

YURAJ VERMA
With Dr. Ashok Duhan Sir
Score : 660/720 Rank : 21714

ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024 (MBBS)

SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024 (MBBS)

SANJEET BHARDWAJ NEET - 2024, Rank-5028 Marks : 685/720

JAI KAUSHIK NDA – 2024 SSB QUALIFIED

ARYAN MALIK
IMUCAT-2024
MARCHANT NAVY

ANKITA
NEET - 2024 (MBBS)
Marks : 501/720 (SC-A)

SAGAR
JOIN : VETERINARY SURGEON (2024)

DR. ASHOK DUHAN
M.Sc., M.Ed., Ph.D. (Math)
Lecturer in Math (Exp. 18 Years)
(Ex. Lecturer in Jat Institution, Rohtak)
Mob.: 9416148363, 9996059603

DR. SUNITA DUHAN
HOD Chemistry Maharani Kishori Jat Kanya Mahavidyalaya, Rohtak
Ex-Scientist FSL Madhuban Karnal
Mob.: 93507 84933

PRINCIPAL
MRS. ANU RANA
26 Yrs Exp. From Jat Institution
Mob.: 9896205969

SECRETARY
SANTOSH MALIK
Mob.: 9253183528

CENTRE HEAD
SANJAY DUHAN
KATH MANDI, ROHTAK
Mob.: 9466903708

I.B. SCHOOL
ESTD. 1999
CELEBRATING 26 YEARS OF EXCELLENCE!
CBSE Affiliation No. 530316

Welcomes - International Delegates
20th Student & Teacher Exchange Program - 2026

JUNIOR BRANCH FACILITIES
- EXCEPTIONAL 3000 SQ. FT. INDOOR SPORTS ARENA FEATURING MARTIAL ARTS, BOXING, CHESS, YOGA & GYMNASTICS
- ROHTAK'S FIRST 8000 SQ FT WORLD CLASS MINI SMART CITY - A HANDS-ON ROLE-PLAY LEARNING ENVIRONMENT IN SCHOOL
- LARGE TERRACE PLAY ZONE & BASKETBALL COURT
- 1000 SQ. FT. PLAY BALL POOL WITH LARGE CASTLE & CLIMBING WALL
- STATE-OF-THE-ART LIBRARY, DANCE & ART STUDIO
- INDOOR MINI THEATRE
- BEST IN CLASS COMPUTER, ROBOTICS AND AI LAB
- MODERN CAFE
- LARGE SWIMMING POOL COMING SOON

SENIOR BRANCH FACILITIES

ACADEMICS
- SMART CLASSROOMS
- ADVANCED SCIENCE LABS
- MODERN AI & ROBOTICS LAB
- LANGUAGE LAB (FRENCH, ENGLISH & GERMAN)
- INTERNATIONAL STUDENT & TEACHER EXCHANGE PROGRAMMES
- WORLD CLASS BUSINESS CENTRE & TRAINING HUB
- CAREER COUNSELLING
- TOP COLLEGE ADMISSION PREPARATIONS - INDIA & ABROAD

CAMPUS
- INDOOR SPORTS ARENA (OVER 20,000+ SQ. FT.) FEATURING BADMINTON, TABLE TENNIS, MARTIAL ARTS, GYMNASTICS, YOGA, CHESS & BOXING
- INDOOR OLYMPIC SIZE SWIMMING POOL
- 2 ACRE LARGE ATHLETICS, FOOTBALL & BASKETBALL ARENA
- AUDITORIUM, AMPHITHEATRE & CINEMA
- MODERN CAFETERIA WITH HOT MEALS AND SNACKS

FULLY SPONSORED INTERNATIONAL STUDENT
EXCHANGE TRIP TO THE UK & FINLAND FOR SELECTED IB SCHOOL STUDENTS & TEACHERS

OUR BRANCHES

(Senior Branch)
I.B. SCHOOL
GOHANA ROAD
91389 81415
www.ibsrohtak.com

(Junior Branch)
I.B. SMART START
SECTOR 2/3 PART
91389 81414
www.smartstartrohtak.com

(Junior Branch)
I.B. SMART START BLUE
SUNCITY HEIGHTS
91389 81422
www.smartstartblue.com

ADMISSIONS OPEN
2026 - 27
LAST DATE FOR ADMISSIONS
SENIOR BRANCH - 20TH APRIL 2026 | JUNIOR BRANCHES 30TH APRIL 2026

जब हाईटेंशन लाइन तक पहुंचने लगे तो दिखे पेड़, पूछा तो अफसर बोले-किसने लगवाए

11-11 हजार वोल्टेज की लाइनों के नीचे किसने लगाए थे पौधे, ये कैसे बनेंगे पेड़

करंट से जानी नुकसान की भी आशंका, बिजली सप्लाई भी कर सकते हैं बाधित

■ हाई वोल्टेज करंट से पौधों के झुलसने की पूरी आशंका

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

सेक्टर-27 की तरफ दिल्ली रोड के साथ-साथ खाली पड़ी जमीन में हाईटेंशन बिजली लाइनों के नीचे किए गए पौधरोपण पर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। क्योंकि पौधे अब 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइनों को छू रहे हैं। चार-पांच साल पहले पौधे किसने लगाए थे। ध्यान ये भी रहे कि हाईटेंशन की लाइन एक नहीं है, बल्कि दो हैं। पौधे किसने लगाए इसकी जानकारी वन विभाग को नहीं है। पौधे शनैः शनैः पेड़ का रूप धारण करने लगे हैं तो वे तारों को बिजली तारों को छूने लगे हैं। चूंकि करेंट हाई वोल्टेज है। इससे पौधों के झुलसने की पूरी आशंका है। इसके अलावा पौधों से होता हुए करंट जमीन तक भी आ सकता है। इसलिए कभी कोई अप्रिय घटना भी घट सकती है। खासकर बारिश के मौसम में। इतना नहीं आने वाले समय में पौधे हरियाणा बिजली वितरण निगम के लिए भी परेशानी का सबब बनेंगे। क्योंकि पेड़ों की वजह से आंधी में बिजली लाइनों में शॉर्ट सर्किट होना आम घटना है।

लाइनों के फाल्ट का कारण बनते पेड़

हाई टेंशन बिजली लाइनों के नीचे पौधे बड़े होकर पेड़ बनने में मुश्किल का सामना करते हैं, क्योंकि बिजली लाइनों के नीचे उनकी स्वाभाविक वृद्धि बाधित हो जाती है। न केवल पेड़ों की बढ़वार रुकती है। बल्कि बिजली लाइनों में आए दिन फाल्ट होना का बड़ा कारण बिजली लाइनों के नीचे खड़े पेड़ होते हैं। बरसात के मौसम में तो बिजली वितरण निगम को फाल्टों से दो-चार होना पड़ता है। दरअसल सेक्टर 27 की तरफ दिल्ली रोड पर करीब पांच-छह साल पहले कुछ स्थानों पर पौधारोपण किया गया था। ये पौधे हाईटेंशन तारों के ठीक नीचे लगाए गए हैं, कोई भी व्यक्ति मौका देख सकता है। वन विभाग के मुताबिक ऐसे स्थानों पर पेड़ों की ऊंचाई बढ़ने पर उन्हें बार-बार काटना पड़ता है या वे पूरी तरह विकसित ही नहीं हो पाते। वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभाग द्वारा जब भी पौधारोपण किया जाता है, तब बिजली लाइनों और अन्य अवरोधों का पूरा ध्यान रखा जाता है।

सुरक्षा पर भी खतरा

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर दिल्ली रोड पर यह पौधारोपण किसने कराया। वन विभाग ने इस संबंध में अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि संभव है कि किसी गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) या अन्य संस्था ने बिना तकनीकी सलाह के यह अभियान चलाया हो। विभाग ने यह भी कहा कि कई बार सामाजिक संगठनों द्वारा उत्साह में आकर पौधे लगा दिए जाते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक रखरखाव और उपयुक्त स्थान का ध्यान नहीं रखा जाता। विशेषज्ञों का मानना है कि 11 केवी (11000 वोल्ट) की बिजली लाइनों के नीचे पौधारोपण न केवल पेड़ों के विकास को प्रभावित करता है, बल्कि यह सुरक्षा की दृष्टि से भी जोखिम भरा हो सकता है। जैसे-जैसे पौधे बड़े होते हैं, उनकी शाखाएं तारों के संपर्क में आने लगती हैं, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित होने और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसी कारण बिजली निगम भी समय-समय पर ऐसे पेड़ों की छंटाई करता है, जिससे उनकी प्राकृतिक वृद्धि रुक जाती है।

भविष्य में इस तरह से पौधा रोपण नहीं किया जाना चाहिए

पर्यावरण से जुड़े व्यक्तियों का कहना है कि भविष्य में इस तरह से पौधा रोपण नहीं किया जाना चाहिए। पौधारोपण केवल संख्या बढ़ाने का अभियान नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लगाए गए पौधे सुरक्षित स्थान पर हों और आगे चलकर वे पेड़ का रूप ले सकें। वन विभाग ने भी लोगों से अपील की है कि पौधारोपण से पहले संबंधित विभागों से सलाह जरूर लें, ताकि पर्यावरण संरक्षण के इस प्रयास का सही लाभ मिल सके।

विभाग ने तारों के नीचे पौधरोपण नहीं करवाया

हमारा विभाग जहां भी पौधरोपण करता है, सबसे पहले ये देखा जाता है कि बिजली की लाइनें नहीं होनी चाहिए। दिल्ली रोड पर हाइटेंशन की तारों के नीचे विभाग ने कभी भी पौधा रोपण नहीं कराया है। मैं मौका देखकर ही ये बता पाऊंगा कि पौधे कब लगाए गए होंगे। पर ये नहीं बताया जा सकता है कि पौधे किसने रोपित किए।

-सुभाष कालरा रेंज अधिकारी
वन विभाग रोहतक

एडीसी ने जिला स्तरीय बैंकिंग समीक्षा बैठक में ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा की

एमएसएमई व प्राथमिकता ऋण में बेहतर प्रदर्शन

कृषि ऋण बढ़ाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय द्वारा आयोजित जिला स्तरीय बैंकिंग समीक्षा बैठक में ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बैंकों के प्रदर्शन पर संतोष जताया, लेकिन कृषि ऋण में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक स्थानीय लघु सचिवालय सभागार में आयोजित हुई, जिसमें दिसंबर 2025 तिमाही के आंकड़ों पर विस्तृत चर्चा की गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि जिले में जमा-ऋण अनुपात 60 प्रतिशत लक्ष्य के मुकाबले 65 प्रतिशत रहा, जो संतोषजनक है। वहीं प्राथमिकता क्षेत्र में 40 प्रतिशत लक्ष्य के विरुद्ध 54 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जिसे सराहनीय बताया गया। एमएसएमई क्षेत्र में भी बैंकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4199 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 5604 करोड़ रुपये (133 प्रतिशत) का ऋण वितरण किया।

वर्ष 2026-27 की वार्षिक ऋण योजना को मंजूरी

हालांकि कृषि ऋण के मामले में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उन्होंने चिंता जताई। कृषि क्षेत्र में 2514 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 2122 करोड़ रुपये (85 प्रतिशत) ही वितरित किए जा सके। नरेंद्र कुमार ने बैंकों को निर्देश दिए कि पात्र किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले। बैठक में लंबित ऋण आवेदनों पर भी चर्चा की गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों का निपटान सात दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। वहीं आरबीआई के एलडीओ रविंद्र नैन ने आगामी वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस रणनीति अपनाने का सुझाव दिया। बैठक में वर्ष 2026-27 की वार्षिक ऋण योजना को भी मंजूरी दी गई। बैठक में विभिन्न बैंकों और विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के लिए हुड्डा जिम्मेदार, बौद्ध का भाग्य अच्छा जो जीते : कुंडू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम से पूर्व में निर्दलीय विधायक रहे बलराज कुंडू ने शनिवार को महम कार्यालय में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग के लिए पूरी तरह कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा जिम्मेदार हैं। भूपेंद्र हुड्डा और उनके सांसद बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा कहते थे कि प्रदेश कांग्रेस में उनके बिना पत्ता भी नहीं हिलता। लेकिन कुछ वोट कैंसिल हो गए और कुछ वोट क्रॉस हो गए। कुंडू का कहना है कि यह सब बाबू बेटा की पूरी प्लानिंग के साथ हुआ है। ये भाजपा के साथ मिले हुए हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि वोट क्रॉसिंग और वोट कैंसिल के पीछे इन पूरी योजना थी। बिसात बिछाकर यह काम किया गया है। भूपेंद्र हुड्डा खुद कांग्रेस के एजेंट थे। बावजूद इसके ऐसे

कैसे हो गया। प्रदेश की जनता मुर्ख नहीं है। जनता को सब पता है। ये भाजपा से डरते हैं और सरकार के पास इनके कच्चे चिट्ठे हैं। सरकार ने इनकी फाइलें निकालकर रखी हुई हैं। सरकार के डर ये इतना बड़ा खेला कर गए। ये तो कांग्रेस प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध की किस्मत अच्छी थी कि वे चुनाव जीत गए। किसी कारण से भाजपा की एक वोट कैंसिल हो गई। वरना इन्होंने तो कर्मवीर बोद्ध को हराने के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी।

आईबी स्मार्ट स्टार्ट ब्लू स्कूल में 'इंडो-किड' का रंगारंग आयोजन, बच्चों ने जीता दिल

रोहतक। नसिटी हाइट्स स्थित आईबी स्मार्ट स्टार्ट ब्लू स्कूल में 'इंडो-किड' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नन्हें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा की शानदार झलक पेश कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रैंप वॉक, सोलो डांस और गायन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कक्षा प्रथम के दक्ष हुड्डा, शनाया, चिराग, प्राव्वी, परमिता और पीहू ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि गायन में दर्श की प्रस्तुति ने खूब सराहना बटोरी। कक्षा द्वितीय में जीयाना, काव्यांश, आदित्य, पुनीत, हेयांश, अलीजा और रुध्वी ने शानदार प्रदर्शन किया तथा गायन में पूर्वांश विजेता रहे। वहीं कक्षा तृतीय के ईशानी, रुद्र, अंश, कियान और तन्वी ने अपनी प्रतिभा से निर्णायकों को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में यूके से आईं मिस सारा विलडे, मिस स्वीटी बुरा और मिस ज्योति नारंग शामिल रहीं। स्कूल चेयरमैन अमरजीत दुल, प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह और मुख्य अध्यापिका निशा चौहान ने विजेताओं को सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

युवा सम्मेलन को लेकर इनेलो ने कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारियां

बहादुरगढ़। अमर शहीदों के बलिदान को नमन करने के उद्देश्य से इनेलो द्वारा 23 मार्च को शहीदी दिवस पर नरवाना में आयोजित होने वाले युवा राज्य स्तरीय सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। यह दावा हलका बहादुरगढ़ के प्रभारी भूपेंद्र राठी ने किया। वे इस संबंध में हुई बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक का संचालन इनेलो के शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी ने किया। भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने कहा कि शहीदी दिवस पर होने वाले युवा सम्मेलन के लिए तैयार कर ली गई

है। बहादुरगढ़ शहर से सैकड़ों गाड़ियों में युवा नरवाना पहुंचेंगे। इसके लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उन्होंने कहा कि 23 मार्च भारतीय इतिहास का अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। इसी दिन शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। नरवाना में होने वाला यह युवा राज्य स्तरीय सम्मेलन प्रदेश के युवाओं के लिए एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। बैठक को धर्मबीर फौजी, राजबीर परनाला, पार्षद बिजेंद्र दलाल, राजेंद्र उर्फ पप्पू कानोंदा, रणबीर नेता, अशोक परनाला, रामधन दलाल, वेद प्रकाश दुल, भारत नागपाल आदि ने संबोधित किया।

हेरोइन की खेप के साथ युवक गिरफ्तार

सोनीपत । क्राइम यूनिट कुंडली की पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में एक आरोपित को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान राजू उर्फ चिड़िया निवासी गांव मुरथल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 20 मार्च को सहायक उप निरीक्षक विक्रम अपनी टीम के साथ जीटी रोड मुरथल चौक पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि राजू उर्फ चिड़िया हेरोइन बेचने की फिराक में हसनपुर रोड के पास घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उसके पास से पारदर्शी पन्नी में हेरोइन बरामद हुई।

प्लॉट तो दिए, सुविधाएं भूल गए बिजली-पानी को तरस रहे लोग

■ खिजरपुर जाट माजरा में ग्रामीणों ने की नारेबाजी

सोनीपत। गांव खिजरपुर जाट माजरा में 100-100 गज के प्लाटों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर ग्रामीणों ने जिला पार्षद संजय बड़वासनिया के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने पक्की गलियां, पेयजल, बिजली और सीवर व्यवस्था की मांग उठाई। संजय बड़वासनिया ने कहा कि महात्मा गांधी आवास योजना के तहत बीपीएल परिवारों को दिए गए प्लाटों को शहर की तर्ज पर विकसित किया जाना था, लेकिन वर्षों बाद भी यहां बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। कच्ची गलियों के कारण बारिश में

जलभराव की स्थिति बनती है और पानी निकासी की भी समस्या बनी हुई है। बिजली के पोल न होने से कनेक्शन लेने में भी दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को कई बार जिला परिषद की बैठकों में उठाया गया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ।

एमडीएन स्कूल में प्री-प्राइमरी के बच्चों का ग्रेजुएशन डे उत्साह के साथ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीएन पब्लिक स्कूल में 21 मार्च को प्री-प्राइमरी वर्ग के विद्यार्थियों का ग्रेजुएशन समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक रेणु नरवाल और प्रधानाचार्य डॉ. आरएस पवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। मंच संचालन लवित और कनुष ने मंजू हुड्डा एवं पायल अरोड़ा के मार्गदर्शन में आत्मविश्वास के साथ किया। इस दौरान बच्चों ने "बेस्ट डे ऑफ माई लाइफ" गीत पर

मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नन्हे विद्यार्थियों के छोटे-छोटे भाषणों ने उनके आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का परिचय दिया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया। अंत में प्रधानाचार्य डॉ. पवार ने कहा कि बचपन में मिलने वाले संस्कार और शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की नींव होते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की तुलना न करने और उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग करने का आग्रह किया।

छारा की अनाज मंडी में गंदगी से ग्रामीण नाखुश

बहादुरगढ़। छारा गांव में बाबा श्याम समुंद्र दास मंदिर के निकट स्थित अनाज मंडी में फैली गंदगी और कूड़े के ढेरों के कारण स्थानीय लोग परेशान हैं। मंडी क्षेत्र में जगह-जगह कूड़ा जमा होने से न केवल वातावरण दूषित हो रहा है, बल्कि वहां घूमने वाले आवारा पशु भी लगातार खतरा बनते जा रहे हैं। ग्रामीण राकेश कुमार, रामनिवास, नरेंद्र व बलवान के अनुसार ये पशु कूड़े में मुंह मारते समय कई बार हिंसक हो जाते हैं और राहगीरों को घायल कर देते हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है। मंदिर के पास इस प्रकार की गंदगी होने से श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंच रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या का मुख्य कारण घर-घर से नियमित कूड़ा उठान न होना है। पंचायत सदस्य मास्टर अनिल दलाल ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। उनके अनुसार हर घर से नियमित कूड़ा उठान सुनिश्चित होना चाहिए।

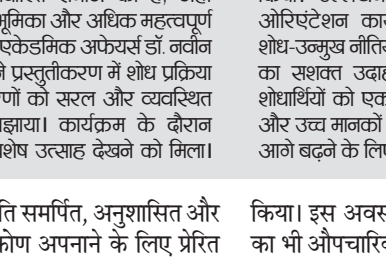

पांच दिन से हड़ताल पर सफाई कर्मी, बोले-आंदोलन तेज करेंगे

सोनीपत। नगर निगम के गेट पर प्रदर्शन करते हुए सफाई कर्मचारी।

सोनीपत। सोनीपत में ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच, मूल निवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ और सहयोग बली सेना यूनियन के बैनर तले सफाई कर्मचारियों की कामछोड़ हड़ताल शनिवार को पांचवें दिन भी जारी रही। धरने की अध्यक्षता उपप्रधान रविन्द्र ने की, जबकि संचालन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कर्मा ने किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि 24 मई 2018 को हरियाणा सरकार द्वारा जारी आदेश के बावजूद उन्हें नगर निगम पे रोल पर नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। निगम अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच डाटा को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगाए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारी गुमराह हो रहे हैं।

कार्यक्रम बीएमयू में पीएचडी ओरिएंटेशन: शोधार्थियों को मिला स्पष्ट मार्गदर्शन और प्रेरणा का सशक्त मंच

सार्थक शोध वही है जो समाज की समस्याओं का समाधान दे : कुलपति

▶▶ पुस्तिका का भी विमोचन किया
▶▶ शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को सरल तरीके से समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के मिनी ऑडिटोरियम में सत्र 2025–2026 के लिए आयोजित पीएचडी ओरिएंटेशन कार्यक्रम गरिमामय, सुव्यवस्थित और अत्यंत ज्ञानवर्धक वातावरण में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (आइक्यूएसी) द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में लगभग 250 नवप्रवेशी शोधार्थियों ने उत्साह, जिज्ञासा और गंभीर शैक्षणिक दृष्टिकोण के साथ सक्रिय भागीदारी की। यह कार्यक्रम केवल औपचारिक परिचय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शोधार्थियों के भावी

अनुसंधान जीवन की दिशा तय करने वाला एक सार्थक और प्रेरणादायी बौद्धिक मंच साबित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि से हुआ, जिसमें विद्वतजन का स्वागत और औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्राध्यापकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने नवप्रवेशी शोधार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शोध के प्रति समर्पित, अनुशासित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एक शोध पुस्तिका का भी औपचारिक विमोचन किया गया।

ज्ञान-आधारित समाज का है वर्तमान समय

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीएम यादव ने अपने संबोधन में शोध की मूल भावना और उसकी सामाजिक उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय ज्ञान-आधारित समाज का है, जहां अनुसंधान की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. नवीन कपिल ने अपने प्रस्तुतीकरण में शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को सरल और व्यवस्थित तरीके से समझाया। कार्यक्रम के दौरान शोधार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे कार्यक्रम का वातावरण अनुशासित, प्रेरणादायक और ज्ञान केंद्रित रहा। इस आयोजन ने न केवल शोधार्थियों को स्पष्ट दिशा प्रदान की, बल्कि उनमें अनुसंधान के प्रति गंभीरता और प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया। उल्लेखनीय है कि यह पीएचडी ओरिएंटेशन कार्यक्रम विश्वविद्यालय की शोध-उन्मुख नीतियों और शैक्षणिक उत्कृष्टता का सशक्त उदाहरण है। इसने नवप्रवेशी शोधार्थियों को एक स्पष्ट दृष्टि, ठोस उद्देश्य और उच्च मानकों के साथ अपने शोध पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 22 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 28 .3 डिग्री
न्यूनतम 11.0 डिग्री

14 सुपवा का पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क...

14 टीबी उन्मूलन में अग्रणी 25 पंचायतें सम्मानित.....

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे
- शहर के अलग-अलग मंदिरों में नवरात्रों पर होगी पूजा अर्चना

खबर संक्षेप

72 घंटे में दर्ज कराएं फसल नुकसान की शिकायत

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने किसानों से अपील की है कि प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान होने पर वे 72 घंटे के भीतर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को राहत दी जाती है। शिकायत कृषि रक्षक मोबाइल ऐप, पोर्टल या टोल फ्री नंबर 14447 पर दर्ज की जा सकती है। डीसी ने कहा कि समय पर शिकायत से शीघ्र सर्वे कर मुआवजा दिया जा सकेगा। उन्होंने बैंकों को भी निर्देश दिए कि प्रीमियम समय पर पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि दावों के निपटान में देरी न हो।

अनुदान पर दिए ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन किया

रोहतक। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा एसबी-89 योजना के तहत अनुसूचित जाति किसानों को अनुदान पर दिए गए ट्रैक्टरों का भौतिक सत्यापन स्थानीय कार्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2025-26 में जिले के 9 किसानों का चयन ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से किया गया था। प्रत्येक लाभार्थी को ट्रैक्टर पर 3 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। योजना का उद्देश्य किसानों को आर्थिक सशक्त बनाना, आय बढ़ाना और रोजगार के अवसर सृजित करना है।

आठ से दस कमिश्नर बदले पर नहीं हुआ एलाटमेंट

जिनके लिए बना भगत सिंह कॉम्प्लेक्स वे रेहड़ी पर बाहर बेच रहे हैं मिर्ची

1. 50 साल से कॉम्प्लेक्स के चारों तरफ बैठे दुकानदार जता रहे दुकानों पर दावेदारी
2. हुड्डा सरकार में पास हुआ था बनाई जानी थी रेहड़ी व व्यापारियों के लिए दुकानें और पार्किंग
3. तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने 2017 में किया था उद्घाटन, अब मरम्मत पर 32 लाख किए खर्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के बीचों-बीच गोहाना अड्डा के पास बना भगत सिंह कॉम्प्लेक्स किसके लिए बनाया गया था, आज तक लोगों को यही समझ नहीं आ रहा है। परिसर में जिन्हें दुकानें दी जानी थी, वह आज तक बाहर ही रेहड़ी पर सामान बेच रहे हैं। इन दुकानदारों की संख्या 15 से अधिक है। करीब सात करोड़ की लागत से तैयार इस कॉम्प्लेक्स का उद्देश्य शहर के व्यापारियों को व्यवस्थित दुकानें और आम लोगों को बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना था, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है। अभी तक न पार्किंग सही ढंग से चल पा रही है और न ही दुकानों का अलॉटमेंट हुआ है। कुछ ऐसा ही हॉल दिल्ली रोड पर बने हुए एग्रो मॉल का हुआ था। दरअसल, इस काम्प्लेक्स को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार के कार्यकाल में पास किया गया था। जो 2016 में बनकर तैयार हुआ। इस कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2017 में किया था। उस समय उनके साथ तत्कालीन मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर और कविता जैन भी मौजूद थे। तब उम्मीद जताई गई थी कि इससे शहर के बाजारों में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और व्यापारियों को एक बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा। लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी न तो दुकानों का आवंटन हो पाया है और न ही पार्किंग व्यवस्था सुचारू रूप से शुरू हो सकी है। स्थिति यह है कि कॉम्प्लेक्स आज भी खाली पड़ा है और इसका सही उपयोग नहीं हो रहा। हाल ही में नगर निगम द्वारा इसकी मरम्मत के नाम पर करीब 32 लाख रुपये खर्च किए गए, लेकिन इसके बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं आया।

कॉम्प्लेक्स से आते-जाते लोग

पार्किंग की सही व्यवस्था हो

दुकानदारों और शहरवासियों को भी पार्किंग सुविधा न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजारों में आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, जबकि कॉम्प्लेक्स में पर्याप्त जगह होने के बावजूद उसका उपयोग नहीं किया जा रहा। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पारदर्शी नीति बनाकर दुकानों का आवंटन किया जाए और पार्किंग व्यवस्था को शुरू किया जाए।

सवा करोड़ आय का प्रस्ताव रख चुके पार्षद

इससे पहले एरिया के पार्षद अधिकारियों के सामने सवा करोड़ सालाना की आय का प्रस्ताव भी पेश कर चुके हैं। जिसमें अंडर ग्राउंड में दोपहिया पार्किंग, भू-तल, प्रथम व द्वितीय तल पर फूड प्लाजा सहित 28 बूथ के अलावा 22 शॉपिंग शोरूम बनाने की मांग की गई थी। मांग की गई थी कि दुकानों को व्यापारियों को किराए पर दिया जाए। ताकि नगर निगम को आय हो सके।

50 साल से बैठे हैं दुकानदार

सुशील

कॉम्प्लेक्स के चारों ओर पिछले करीब 50 वर्षों से अधिक समय से छोटे-छोटे दुकानदार अपना कारोबार चला रहे हैं। ये दुकानदार इस कॉम्प्लेक्स में बनी दुकानों पर अपनी दावेदारी जता रहे हैं। सुशील सहित अन्य दुकानदारों का कहना है कि जब वर्षों से वे इसी स्थान पर व्यवसाय कर रहे हैं, तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दुकानें आवंटित की जानी चाहिए। कई बार यहां के सत्ता पक्ष के नेताओं और नगर निगम आयुक्तों से मिल चुके हैं लेकिन उन्हें आज तक जगह नहीं मिल पाई। प्रशासन ने अब तक स्पष्ट नीति नहीं बनाई है, जिसके कारण यह परियोजना अधर में लटकी हुई है। कई बार नेताओं और निगम अधिकारियों से मांग की जा चुकी है, लेकिन हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

योजना बनाई जाएगी

भगत सिंह काम्प्लेक्स में अभी मरम्मत कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके बाद योजना बनाई जाएगी कि काम्प्लेक्स में किन को किसी कार्य के लिए जगह दी जाएगी। दुकानों की अलॉटमेंट को लेकर भी तैयारी की जाएगी। साथ ही पार्किंग व्यवस्था को भी ठीक किया जाएगा।
-आनंद कुमार शर्मा, आयुक्त नगर निगम

रंग, रोगन का कार्य हो रहा

करीब 32 लाख की लागत से यहां रैंप, रंग रोगन, बिजली मरम्मत एवं अन्य कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके बाद नगर निगम अधिकारियों से बात की जाएगी। ताकि काम्प्लेक्स को शुरू किया जा सके। वे यहां एक फ्लोर पर हॉल बनवाने की भी मांग नगर निगम के सामने रखेंगे, ताकि सुविधा मिल सके। क्योंकि उनके वार्ड में एक भी सामुदायिक केंद्र नहीं है।
-कपिल नागपाल, पार्षद वार्ड नम्बर सात

जिले की 35 गैस एजेंसियों पर करीब 16 हजार सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध

8,276 उपभोक्ताओं को सिलेंडर डिलीवर

- अब डिमांड के अनुसार तेज की गई डिलीवरी व्यवस्था
- समय पर आपूर्ति से उपभोक्ताओं को मिली राहत
- अब तक करीब 60 गैस सिलेंडर जब्त किए जा चुके

हरिभूमि न्यूज. रोहतक

शनिवार को प्रशासन ने एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर स्थिति पूरी तरह सामान्य और संतोषजनक बताई है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रसोई गैस को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर का भंडारण न करें। उपायुक्त ने बताया कि गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। इसके लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के दो नोडल अधिकारियों के साथ प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर की ड्यूटी लगाई गई है। गैस एजेंसियों पर जाकर वितरण प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं

डीसी ने स्पष्ट किया कि एलपीजी गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी या अनाधिकृत उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में प्रशासन द्वारा छापेमारी के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक की कार्रवाई में करीब 60 गैस सिलेंडर जब्त किए जा चुके हैं, जो अनियमित गतिविधियों में उपयोग किए जा रहे थे। उपभोक्ताओं को सलाह देते हुए उपायुक्त ने कहा कि वे निर्धारित अंतराल पर ही गैस सिलेंडर लें। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में एक परिवार को 25 दिन के अंतराल पर और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के अंतराल पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे आपूर्ति व्यवस्था संतुलित बनी रहती है और सभी उपभोक्ताओं तक गैस की पहुंच सुनिश्चित होती है।

दिक्कत नहीं आने दिया जाएगा

डीसी ने जानकारी दी कि शनिवार को जिले की 35 गैस एजेंसियों पर लगभग 16 हजार सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध था। इनमें से 8,276 सिलेंडर उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के आधार पर वितरित किए गए। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आपूर्ति और वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की सुविधा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

25 हजार के इनामी आरोपी को अवैध हथियार सहित पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ (एसडीएस) टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा राउंड बरामद किया गया है। आरोपी लंबे समय से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हत्या के मामले में फरार चल रहा था।

गश्त में मिली सफलता

स्पेशल डिटेक्टिव स्टाफ के प्रभारी निरीक्षक नवीन जाखड़ ने बताया कि मुख्य सिपाही नवीन के नेतृत्व में पुलिस टीम बेरी-सांपला रोड पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने आईटीआई फ्लाईओवर के नीचे खड़े एक संदिग्ध युवक को काबू किया। पूछताछ में युवक की पहचान प्रिंस पुत्र देवेंद्र निवासी सांपला के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा राउंड बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सांपला में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस संबंध में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

बागपत हत्या मामले में था वांछित

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी मार्च 2026 में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक हत्या की वारदात में शामिल था। इस संबंध में थाना दोघट, बागपत में दर्ज है। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहा था, जिस पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

तेज रफ्तार ट्रक ने ली मजदूर की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

मड हाउस होटल के समीप हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक प्रवासी मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनपाल निवासी गांव दुन्दहा, जिला फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है, जो सांपला में रहकर मजदूरी करता था।

परिजनों के अनुसार, सोनपाल सड़क पार कर रहा था, तभी दिल्ली की तरफ से आ रहे गैस सिलेंडरों से भरे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई रोहतक भेजा गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और टोल प्लाजा के रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

डाकघर में 63 लाख के गबन मामले में गिरोह का एक और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डाकघर में हुए करीब 63 लाख रुपये के गबन मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना आर्य नगर पुलिस ने गिरोह में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है।

साइलेंट अकाउंट से किया था फर्जीवाड़ा

मामले की जानकारी देते हुए थाना आर्य नगर के प्रभारी पीएसआई बिजेंद्र ने बताया कि अधीक्षक डाकघर रोहतक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि डाकघर के साइलेंट अकाउंट से 63,68,791 रुपये का गबन किया गया है। इस मामले ने विभाग में हड़कंप मचा दिया था, जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी व स्थानीय स्तर पर जांच तेज की।

20 मार्च को आरोपी की गिरफ्तारी

20 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान मनीष उर्फ श्यामा पुत्र सतबीर निवासी भगवतीपुर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी गबन की राशि के लेन-देन के लिए बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध करवाने का काम करता था, जिससे गिरोह को पैसों के ट्रांजेक्शन में मदद मिलती थी।

तीन आरोपी पहले ही हो चुके गिरफ्तार

इस मामले में शामिल अन्य तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। अब चौथे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उम्मीद है कि गबन के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकेगा। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर अन्य साथियों और पैसे के लेन-देन के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS
- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैनल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HDU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

6 से 12 अप्रैल तक किर्गिस्तान में होने वाली कुश्ती में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे

एशियन चैंपियनशिप में दमखम दिखाएगा म्हारा पहलवान जयदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में पहलवान जयदीप का चयन हुआ है। जयदीप 6 से 12 अप्रैल तक किर्गिस्तान में होने वाली कुश्ती प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। जयदीप मूलरूप से सोनीपत जिले के गांव बनवासा का रहने वाला है। जयदीप ने बताया कि उसके लिए कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है। एक साधारण किसान परिवार से आने वाले जयदीप की राह आसान नहीं थी। पिता विरेंद्र खेती करते हैं और मां शीला गृहिणी हैं। संसाधनों की कमी के बावजूद परिवार ने कभी जयदीप के हौसले पस्त नहीं होने दिए। उसने 2012 में अपने चचेरे भाई संसार को देखकर इस खेल में कदम रखा था। संसार भी एक बेहतरीन पहलवान था, लेकिन कुछ कारणों से वह आगे नहीं बढ़ पाया। ऐसे में उसने छोटे भाई जयदीप में अपना सपना देखना शुरू किया। संसार का सपना है कि जयदीप ओलंपिक में पदक जीते और इसी सपने को पूरा करने के लिए वह दिन-रात मेहनत कर रहा है। शुरुआत में जयदीप ने भाई के साथ ही गांव में कुश्ती का अभ्यास किया। उन्होंने बताया कि पिता हमेशा कहते हैं, तू मेहनत कर, पैसे की चिंता मत कर। मैं देख लूंगा।

जयदीप की उपलब्धियां

वर्ष 2023 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 2021 में कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 2022 जूनियर एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2023 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 2024 अंडर-23 एशिया चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2024 में नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2025 में एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

2021 में रखा कदम

जयदीप ने बताया कि 2021 में मेहर सिंह अखाड़े में कदम रखा और तब से यह कोच रणबीर ढाका के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहा है। कोच का अनुभव उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। उसके पसंदीदा पहलवान ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया हैं।

सांपला। प्रियांशु का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

मोर खेड़ी का प्रियांशु सेना में लेफ्टिनेंट बना, किया स्वागत

सांपला। मोर खेड़ी गांव प्रियांशु भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए। शनिवार को गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल बाजे फुल व नोटों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी से अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। प्रियांशु ने 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की परीक्षा उत्तीर्ण की थी इसके बाद उन्होंने एनडीए से अपनी सैन्य शिक्षा प्राप्त की। उनके पिता नेवी से सेवानिवृत्त हैं। प्रियांशु ने पिता की देश सेवा की भावना से प्रेरित होकर सेना में भर्ती होने का लक्ष्य बनाया और अब वह इस लक्ष्य को पाने में सफल हुए। लेफ्टिनेंट का स्वागत में प्रधान काला, सुनील , मंजीत कुमार जयपाल सूबेदार प्रेम सिंह ,जगदीश, रणबीर, नरेश कुमार, देवेंद्र ,राजेंद्र, सुधीर, बिंदु, रणधीर आदि ने जवान का स्वागत किया।

रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

{ टेक्नोलाइफ / डॉ. मोनिका शर्मा }

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

{ कविता / विक्रम सिंह }

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, लेखक: हेमंत देवलेकर, मूल्य: 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

{ सम्मान }

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है-शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

जम्मू-कश्मीर में स्थित माता वैष्णो देवी का मंदिर सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यूं तो इस शक्तिपीठ में साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान माता रानी के दर्शन की महत्ता और भी बढ़ जाती है। इस धार्मिक स्थल की विशिष्टताओं और इससे जुड़ी धार्मिक मान्यताओं पर एक दृष्टि।

श्रद्धा-भक्ति का अद्वितीय स्थल
माता वैष्णो देवी मंदिर

{ आस्था / वीना गौतम }

हालांकि नवरात्र के पावन अवसर पर 51 शक्तिपीठों में से हर शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ता है। इस अवसर पर मां वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। कह सकते हैं कि नवरात्र के समय यह राष्ट्रीय आस्था का सबसे स्पंदित केंद्र बन जाता है। ऐसा क्यों होता है, इसे समझने के लिए हमें वैष्णो देवी मंदिर से जुड़ी मान्यताओं, धार्मिक आस्थाओं और इसकी दिव्य भौगोलिक संरचना के बारे में समझना होगा।

जुड़ी हैं पौराणिक मान्यताएं

जम्मू-कश्मीर के कटरा से लगभग 12-13 किलोमीटर ऊपर की तरफ त्रिकूट पर्वत पर लगभग 5200 फीट की ऊंचाई पर स्थित मंदिर में मां वैष्णो देवी तीन पिंडियों (महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती) के रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की बहुआस्था का कारण इसकी पौराणिक और आध्यात्मिक मान्यता है। माना जाता है कि वैष्णो देवी मंदिर जिस त्रिकुटा पर्वत पर स्थित है, उसकी ही गुफा में देवी मां ने तपस्या की थी, साथ ही भैरवनाथ वध की कथा भी यहां की धार्मिक चेतना का केंद्र है।

नवरात्र में लगता है भक्तों का जमावड़ा

वैष्णो देवी मंदिर श्रद्धालुओं के आवक के हिसाब से देश के सबसे व्यस्त मंदिरों में से एक है। आमतौर पर इस मंदिर में हर साल 80 लाख से एक करोड़ के बीच लोग दर्शन के लिए आते हैं और इनमें करीब 30 से 40 प्रतिशत श्रद्धालु सिर्फ नवरात्र के समय ही आ जाते हैं, उनमें भी चैत्र नवरात्र पर विशेष रूप से सबसे ज्यादा भक्त यहां आते हैं। चैत्र नवरात्र चूंकि देवी शक्ति के जागरण का समय और देवी की उपासना का चरम काल माना जाता है। यही कारण है कि यह स्थान चैत्र नवरात्र के समय विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन जाता है।

चैत्र नवरात्र से हिंदुओं का नववर्ष प्रारंभ होता है। ऐसे में यह समय सिर्फ पूजा का नहीं बल्कि नए संकल्पों का समय भी होता है। देशभर में जब घर-घर में इन दिनों घट स्थापना होती है, तब उसका राष्ट्रीय प्रतिरूप वैष्णो देवी मंदिर के रूप में दिखता है। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्र में स्थित यह मंदिर उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम, देश की सभी दिशाओं को आपस में जोड़ता है। जब देश के कोने-कोने से लाखों लोग आस्था के इस हृदय स्थल तक पहुंचते हैं, तब यह तीर्थस्थल भर नहीं रह जाता बल्कि राष्ट्रीय समावेशन का इंद्रधनुषी दृश्य बन जाता है।

पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

चैत्र नवरात्र के समय यहां आने वाले अधिकांश श्रद्धालु नए वर्ष की शुरुआत के मनोभाव से आते हैं और अपनी किसी मनोकामना या आकांक्षाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। यहां आने वाले आस्थावान हिंदू अपने जीवन के हर संकट का समाधान खोजने के लिए मां से विनती करते हैं। नवरात्र के दौरान विशेष रूप से वैष्णो देवी मंदिर के समूचे परिक्षेत्र में विशिष्ट आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह रहता है। देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं की आस्था और मनोकामना-पूर्ति का विशिष्ट केंद्र बनकर उभरता है मां वैष्णो देवी मंदिर।

मंदिर तक पहुंचने के हैं कई विकल्प

वैष्णो देवी मंदिर का प्रबंधन वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड करता है। यहां पैदल, घोड़ा, पालकी, हेलीकॉप्टर और हाल के सालों में शुरू हुए रोपवे सुविधा के जरिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे अधिक दर्शनीय और व्यवस्थित तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

डिजिटल दर्शन की सुविधा

इस डिजिटल मीडिया युग में मां वैष्णो देवी मंदिर की जगमगाहट कुछ और ही निखरकर देश के कोने-कोने तक अपना उजास पहुंचा रही है। मंदिर का लाइव दर्शन, सोशल मीडिया ट्रेंड, ऑनलाइन पंजीकरण और डिजिटल कतार प्रबंधन में भी देखा जा सकता है। चैत्र नवरात्रों में यह मंदिर एक राष्ट्रीय इवेंट सेंटर की तरह उभरता है। इस दौरान देशभर के कई टीवी चैनल वैष्णो देवी मंदिर की कवरेज जरूर करते हैं।

अर्थव्यवस्था में योगदान

चूंकि कटरा और उसके आस-पास का क्षेत्र हमेशा मंदिर के तीर्थयात्रियों से भरा होता है, इसलिए इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बेहद संपन्न है और जम्मू-कश्मीर की संपन्नता में भी इस मंदिर की एक विशिष्ट भूमिका है। नवरात्र के समय और बाकी समय भी होटल, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय व्यापार, सब उच्चतम स्तर तक पहुंच जाते हैं। स्थानीय लोगों को हर समय यहां रोजगार उपलब्ध रहता है। इसलिए वैष्णो देवी मंदिर सिर्फ धार्मिक आस्था का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक गतिविधि का भी एक सचल केंद्र बनकर उभरता है।

संगठित-प्रबंधित शक्तिपीठ

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार 51 शक्तिपीठ हैं, जिनमें से कुछ पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका देशों में स्थित हैं। संगठन और प्रबंधन की दृष्टि से देखा जाए तो वैष्णो देवी मंदिर को सबसे संगठित और प्रबंधित शक्तिपीठ माना जाता है। इस वजह से भी यह विशेष रूप से उत्तर भारत के मध्यवर्गीय और ग्रामीण लोगों की धर्म और संकल्प यात्रा का केंद्र बन जाता है।

वैष्णो देवी मंदिर हर सनातन धर्म के अनुयायी के धार्मिक मानस में स्थापित है। साल भर खुला रहने वाला और कठिन पर्वतीय यात्रा का अनुभव देने वाला यह मंदिर सामूहिक संकल्प और तपस्या का प्रतीक भी है। चैत्र नवरात्र के समय ये सब चीजें एक साथ सक्रिय होती हैं। इसलिए भक्तों के मन में इसका विशिष्ट स्थान है। *

वैसे तो अपने देश में शक्तिपीठों समेत मां दुर्गा के कई प्रसिद्ध मंदिर स्थित हैं। इनमें से कुछ ऐतिहासिक और अनोखे मंदिर भी हैं। कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर भी इनमें शामिल है। इस मंदिर की महत्ता पर एक नजर।

ऐतिहासिक-अनोखा है
चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर

{ धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन }

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के काशीपुर में स्थित चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर 600 वर्ष से भी अधिक पुराना है। यह मंदिर शहर के सबसे पुराने दुर्गा मंदिरों में से एक है। भक्तों की आस्था के केंद्र इस मंदिर से कई ऐतिहासिक तथ्य और किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। यह मंदिर सुबह 6:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 4:30 बजे से 9:00 बजे तक रोजाना खुला रहता है।

मंदिर का निर्माण

कहते हैं कि यह मंदिर मूल रूप से अपराध की दुनिया से समाज की मुख्य धारा में लौटे एक डाकू, चित्ते डकैत द्वारा बनवाया गया था। इस डकैत को सपने में नीम की लकड़ी से देवी दुर्गा की प्रतिमा बनाने का आदेश प्राप्त हुआ था। यह मूर्ति आज भी मंदिर में विद्यमान है। चित्ते की मृत्यु के बाद मंदिर को कई वर्षों तक लगभग भुला दिया गया। सन 1586 में एक साधु नरसिंह ब्रह्मचारी ने इसे फिर से खोजा और 1610 में मनोहर घोष ने इसे दोबारा बनवाया, जो वर्तमान रूप में मौजूद है। मंदिर की देखभाल की जिम्मेदारी बाद में रॉय चौधुरी परिवार को सौंपी गई, जो आज भी इसका प्रबंधन करते हैं। वर्तमान में, काशीश्वर रॉय चौधुरी मंदिर के प्रबंधन की देख-रेख करते हैं।

ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व

चित्तेश्वरी सर्वमंगला मंदिर का बहुत अधिक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। देखा जाए तो इस मंदिर का इतिहास कोलकाता से भी पुराना है, क्योंकि कोलकाता की आधिकारिक स्थापना से कई दशक पूर्व इस मंदिर की स्थापना हो गई थी। यह मंदिर कोलकाता के प्रारंभिक इतिहास और स्थानीय लोककथाओं का हिस्सा रहा है, जो इसे एक अनोखा और रहस्यमय स्थल बनाता है। यह मंदिर डाकुओं द्वारा पूजे जाने के लिए भी जाना जाता है, जो आमतौर पर देवी काली की भक्ति करते थे।

मंदिर में मौजूद प्रतिमाएं

इस मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा नीम की लकड़ी से बनी है और इसमें 10 हाथ हैं। प्रतिमा में मां दुर्गा एक सफेद सिंह पर सवार हैं, जो महिषासुर को काट रहा है, उनके पास एक बाघ भी है, जो उस समय के जंगली वातावरण को दर्शाता है। हर साल इस प्रतिमा पर रंग-रोगन किया जाता है ताकि इसकी सुरक्षा और रख-रखाव सुनिश्चित हो सके। मंदिर में शीतला माता की प्रतिमा भी है। यहां मां दुर्गा के साथ ही बहुत बड़ी संख्या में श्रद्धालु, शीतला माता की पूजा के लिए भी आते हैं। इनके अलावा इस मंदिर में कुछ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी हैं। इनमें भगवान शिव, हनुमानजी, जगन्नाथजी, बलरामजी, सुभद्राजी, राधाजी और कृष्णजी के अलावा लोकनाथ बाबा की प्रतिमाएं भी शामिल हैं।

उत्कृष्ट वास्तुशिल्प

यह एक शांत प्रार्थना स्थल है, इस मंदिर का परिसर शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण प्रदान करता है। मंदिर की बाहरी दीवारों को पीले और लाल रंग से रंगा गया है। मंदिर का केंद्र एक विशाल नट मंदिर है, जो मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने स्थित है। मंदिर के पिछले हिस्से में एक श्मशान है, जिसमें सदियों पुराना एक नीम का पेड़ है, जो किसी दौर में तांत्रिकों द्वारा उपयोग किया जाता था। लगभग 6800 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैला यह मंदिर पारंपरिक बांग्ला मंदिर शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नवरात्र में होती है विशेष पूजा

यहां दैनिक के साथ ही त्योहारों के दौरान विशेष पूजा उत्सव मनाए जाते हैं। नवरात्रों के दौरान मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जाता है। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन करने आते हैं। *

{ उपयोगी पेड़ / वीना }

आर्थिक रूप से फायदेमंद
स्ट्रॉबेरी की खेती

दिखने में खूबसूरत, स्वादिष्ट, पौष्टिक और थोड़ा महंगा बिकने वाला स्ट्रॉबेरी फल का झाड़ीनुमा पेड़ आकार में छोटा होने के बावजूद किसानों के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद होता है।

स्ट्रॉबेरी के पौधे की विशेषताएं: इनके पौधे की ऊंचाई 6 से 8 इंच तक ही होती है। इसका वैज्ञानिक नाम फ्रैगेरिया अनानासा है। यह रोजेसी यानी गुलाब कुल का पौधा है। इसकी प्रकृति बहुवर्षीय है, लेकिन व्यवसायिक खेती में पौधे को हर दो या तीन साल में बदलना पड़ता है। एक पौधे से सामान्यतः 150 से 400 ग्राम तक फल मिलते हैं। इसके लिए ठंडी जलवायु, अनुकूल होती है। ठंडी रात और हल्की धूप इसकी मिठास को बढ़ाती है। स्ट्रॉबेरी के पौधे के लिए दोमट मिट्टी अच्छी होती है।

अपने देश में महाराष्ट्र के महाबलेश्वर, पुणे, सतारा, हिमाचल प्रदेश के शिमला, सोलन, उत्तराखंड के नैनीताल, देहरादून, कर्नाटक के चिकमंगलुरु, कोडागू, जम्मू-कश्मीर के बारामूला, पुलवामा समेत उत्तर पूर्वी राज्य मेघालय, नागालैंड में इसकी खेती होती है। हाल के सालों में मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी छोटे स्तर पर स्ट्रॉबेरी की खेती के प्रयोग हुए हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: स्ट्रॉबेरी की खेती से किसान अच्छी इनकम कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए खेती की सही योजना, सही तकनीक का इस्तेमाल और बाजार से सही तरह का कारोबारी जुड़ाव होना जरूरी है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए आदर्श तापमान 18 से 26 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। पहाड़ी क्षेत्र, ऊंचे पठार और ठंडे मैदानी इलाके इसकी खेती के लिए सबसे उपयुक्त हैं। अगर आप गर्म और ह्यूमिड परिस्थितियों में स्ट्रॉबेरी खेती करना चाहते हैं, तो ग्रीन हाउस या पोली हाउस में ही यह संभव है। स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाले नर्सरी के रोगमुक्त पौधे होने जरूरी हैं। तभी बेहतर किस्म, बेहतर आकार, बेहतर रंग और मिठास की स्ट्रॉबेरी मिलती है। स्ट्रॉबेरी के लिए जरूरी है प्लास्टिक मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाई जाए। इससे नमी बनी रहती है, खरपतवार कम होते हैं और फल साफ और आकर्षक लगते हैं। साथ ही इससे उत्पादन 20 से 30 फीसदी बढ़ जाता है। स्ट्रॉबेरी से किसान भरपूर फायदा तभी उठा सकते हैं, जब वे महज ताजा फल बेचने तक सीमित न रहें बल्कि वैल्यू एडिशन के जरिए स्ट्रॉबेरी जैम, जूस/स्क्वैश, पल्प, फ्रोजन स्ट्रॉबेरी, आइसक्रीम व बेकरी को सप्लाई की जाए। क्योंकि प्रोसेसिंग के बाद स्ट्रॉबेरी अपनी फल वाली कीमत के 3 से 4 गुना महंगी हो जाती है। *

{ कला जगत / अंजू जैन }

रंगमंच यानी थिएटर मनोरंजन की सबसे पुरानी विधाओं में से एक है। प्राचीन काल से ही दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में किसी न किसी रूप में रंगमंच मौजूद रहा है। आज भी देश-दुनिया में अलग-अलग प्रकार की नाट्य विधाएं प्रचलित हैं। विश्व रंगमंच दिवस (27 मार्च) के अवसर पर इसके विभिन्न स्वरूपों पर एक नजर।

कला और मनोरंजन का
जीवंत स्वरूप है रंगमंच

रंगमंच यानी थिएटर न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह हमारी सभ्यता का प्रतिबिंब भी है। भारत में रंगमंच की जड़ें लगभग पांच हजार वर्ष पुरानी मानी जाती हैं, जो संस्कृति और परंपराओं से गहरी जुड़ी हुई हैं। इसका मूल ऋग्वेद के संवादों से माना जाता है। भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न रंगमंच स्वरूप हमें यह सिखाते हैं कि भाषा या संस्कृति भले ही अलग हो, लेकिन मानवीय भावनाएं- प्रेम, क्रोध, भय और हास्य, पूरी दुनिया में एक जैसी हैं। हर साल 27 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व रंगमंच दिवस इसी विविधता और एकता का उत्सव है। हालांकि रंगमंच के क्षेत्र में बदलते दौर के साथ तकनीक एवं अन्य कई स्तरों पर बदलाव हुए हैं, लेकिन यह आज भी लोगों को खूब पसंद आता है।

पहला ग्रंथ और नाट्यशाला: रंगमंच से संबंधित पहला ग्रंथ भारत में ही लिखा गया। भरत मुनि द्वारा रचित 'नाट्यशास्त्र' को विश्व में नाट्यकला पर लिखा गया पहला औपचारिक ग्रंथ माना जाता है। भारतीय परंपराओं में 'नाट्यशास्त्र' को 'पंचम वेद' (पांचवां वेद) भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी कलाओं और ज्ञान का समावेशन है। छत्तीसगढ़ के रामगढ़ पहाड़ पर स्थित सीतावांगा गुफा को भारत का सबसे पुरानी नाट्यशाला यानी थिएटर माना जाता है। माना जाता है कि यहीं महाकवि कालिदास ने नाट्य परंपरा की शुरुआत की थी। इस तरह देखा जाए तो दुनिया की पहली नाट्यशाला की स्थापना भारत में ही हुई थी। भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी साहित्य और रंगमंच का जनक माना जाता है। भारत में प्राचीन और मध्यकालीन रंगमंच मुख्य रूप से रामायण, महाभारत और स्थानीय लोक गाथाओं पर आधारित होते थे।

मुंबई में स्थित पृथ्वी थिएटर

कई कलाओं का संगम: रंगमंच को एक समग्र कला माना जाता है क्योंकि इसमें पेंटिंग, डांस, संगीत और अभिनय जैसी कई विधाएं एक साथ शामिल होती हैं। थिएटर को 'जीवंत कला' भी कहा जाता है क्योंकि यह दर्शकों के सामने सीधे मंचित होता है। औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय कलाकारों ने थिएटर को ब्रिटिश शासन के खिलाफ राष्ट्रवाद फैलाने के माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया था। भारत में 20 से अधिक क्षेत्रीय थिएटर शैलियां हैं, जैसे यक्षगान (कर्नाटक), जात्रा (बंगाल), भवाई (गुजरात) आदि। हमारे देश में नाटक के रामलीला, नौटंकी जैसे स्वरूप भी प्रचलित हैं।

विश्व प्रसिद्ध है जापान की नाट्यकला

कर्नाटक का नृत्य-नाट्य यक्षगान

भारतीय रंगमंच अकसर आदर्शवाद के करीब होता है, जबकि पश्चिमी थिएटर जीवन की कठोर वास्तविकता को दिखाने पर अधिक केंद्रित रहता है। 19वीं शताब्दी में पारसी थिएटर ने भारतीय और पश्चिमी शैलियों का मिश्रण पेश किया, जो आगे चलकर बॉलीवुड (हिंदी फिल्मों) के लिए आधार बना।

थिएटर और विद्यालय की स्थापना: बीसवीं सदी के चौथे दशक में पृथ्वीराज कपूर ने 'पृथ्वी थिएटर' की स्थापना की थी, जिसका उद्देश्य सामाजिक और राजनीतिक विषयों को मंच प्रदान करना था। आगे चलकर नई दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की स्थापना हुई, जो भारत में रंगमंच की शिक्षा के लिए सबसे प्रतिष्ठित संस्थान माना जाता है। एनएसडी से ही ओम पुरी, इरफान खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे कई दिग्गज फिल्म एक्टर्स निकले हैं।

कुछ प्रसिद्ध-रोचक रंगमंच स्वरूप: पूरी दुनिया में रंगमंच के विविध रूप प्रचलित हैं। कुछ देशों के प्रसिद्ध और रोचक रंगमंच स्वरूपों के बारे में यहां बता रहे हैं।

नोह और काबुकी, जापान: जापान का नोह थिएटर अपनी सादगी और आध्यात्मिक गहराई के लिए जाना जाता है। इसमें कलाकार लकड़ी के मुखौटे पहनकर बहुत धीमी और नपी-तुली गति से अभिनय करते हैं। इसके विपरीत, काबुकी बेहद भव्य और ऊर्जावान होता है। इसमें कलाकार चटक मेकअप, भारी वेशभूषा और नाटकीय भाव-भंगिमाओं का उपयोग करते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

ओपेरा और कॉमेडिया डेल'आर्टे, इटली: इटली को ओपेरा का जन्मस्थान माना जाता है, जहां कहानी को संगीत और गायन के माध्यम से सुनाया जाता और मंचित किया जाता है। पुनर्जागरण काल का कॉमेडिया डेल'आर्टे भी विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें कलाकार कुछ चरित्रों के मुखौटे पहनकर तात्कालिक संवाद बोलते हैं।

पेकिंग ओपेरा, चीन: यह गायन, संवाद, नृत्य और कलाबाजी का एक अद्भुत मिश्रण है। चीन में प्रचलित रंगमंच के इस प्रकार में कलाकारों का रंगीन मेकअप, उनके चरित्र (नायक, खलनायक या विदूषक) को दर्शाता है।

चीन का लोकप्रिय नाट्य रूप पेकिंग ओपेरा

वेयांग कुलित, इंडोनेशिया: यह छाया कठपुतली का एक प्राचीन रूप है, जो जावा और बाली द्वीपों में प्रचलित है। इसमें चमड़े की कठपुतलियों को प्रकाश के सामने रखकर पर्दे पर उनकी छाया से पौराणिक कथाएं प्रदर्शित की जाती हैं।

ब्रॉडवे, अमेरिका: अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित ब्रॉडवे को म्यूजिकल थिएटर का गढ़ माना जाता है। यहां प्रदर्शित होने वाले 'द लॉयन किंग' और 'अलादीन' जैसे ड्रामा शोज अपनी तकनीकी भव्यता और मोहक संगीत के कारण दुनिया भर के पर्यटकों और नाटकप्रेमियों को आकर्षित करते हैं। *

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर }

इंफॉर्मेशन और डिस्ट्रैक्शन की भरमार वाले इस दौर में शांत रहना और सही निर्णय लेना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट बहुत जरूरी हो गया है। क्या है ब्रेन मैनेजमेंट और यह आधुनिक जीवनशैली में क्यों आवश्यक है, जानिए।

आधुनिक जीवनशैली में जरूरी है ब्रेन मैनेजमेंट

आज का युग सिर्फ बेशुमार इंफॉर्मेशन का दौर ही नहीं है बल्कि यह सबसे अधिक डिस्ट्रैक्शन का दौर भी बन चुका है। एक औसत व्यक्ति दिन में चार से पांच घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहा है और हर कुछ मिनट में उसका ध्यान किसी नोटिफिकेशन, मैसेज या वीडियो से टूट जाता है। इसका सीधा असर उसके दिमाग की सबसे महत्वपूर्ण क्षमता यानी ध्यान, निर्णय लेने की शक्ति और मानसिक ऊर्जा पर पड़ता है। इस समस्या का प्रभावी समाधान है ब्रेन मैनेजमेंट।

क्या होता है ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट का अर्थ है अपने दिमाग की कार्यप्रणाली, ध्यान, भावनाओं, ऊर्जा और सोचने की क्षमता को समझकर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित और बेहतर करना। हमारा दिमाग दिनभर हजारों विचार पैदा करता है, इनमें से कई विचार अनावश्यक, नकारात्मक या ध्यान भटकाने वाले होते हैं। ब्रेन मैनेजमेंट का उद्देश्य इन विचारों को नियंत्रित करना, ध्यान को सही दिशा में केंद्रित करना और मानसिक ऊर्जा को सही काम में लगाना होता है।

कैसे करें ब्रेन मैनेजमेंट: ब्रेन मैनेजमेंट मुख्यतः चार तत्वों पर आधारित होता है- ध्यान नियंत्रण, भावनाओं पर नियंत्रण, मानसिक ऊर्जा का प्रबंधन और विचारों की जागरूकता। वास्तव में आज के जमाने में हम सब चीजें न तो पढ़ सकते हैं, न देख सकते हैं, न सीख सकते हैं, इसलिए प्रथम चरण के अंतर्गत हमें किसी एक चीज पर ध्यान फोकस करना होता है और बाकी चीजों को नजरअंदाज करना होता है। दूसरे चरण में तनाव, गुस्सा, डर और चिंता को नियंत्रित करना होता है। ब्रेन मैनेजमेंट के तीसरे चरण के तहत हम अपने दिमाग की ऊर्जा को सही समय पर सही काम में लगाएं। अगर ये तीन चरण आसानी से कर लिए तो चौथा चरण अपने विचारों को पहचानना और उन्हें सकारात्मक दिशा देना होता है। वास्तव में ये चार मुख्य बातें ही ब्रेन मैनजमेंट का संपूर्ण सार होती हैं।

ब्रेन मैनेजमेंट क्यों है जरूरी: आज लगभग हर व्यक्ति हर दिन सैकड़ों नोटीफिकेशन, वीडियो और मैसेज से घिरा रहता है। इससे दिमाग लगातार अटेंशन स्विचिंग करता रहता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि बार-बार ध्यान बदलने से दिमाग की गहराई से सोचने की क्षमता कमजोर होती है। ब्रेन मैनेजमेंट इस समस्या का समाधान देता है। यह सिखाता है कि कैसे ध्यान को स्थिर रखा जाए और दिमाग को अनावश्यक भटकने से बचाया जाए।

तनाव को भी करता है कम: वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार आज चिंता और तनाव सबसे बड़ी मानसिक व्याधियां बन गई हैं। करियर, आर्थिक दबाव, सामाजिक तुलना और अनिश्चित भविष्य के कारण दिमाग का लगातार तनाव की स्थिति में रहना, इस सबके कारण आधुनिक जीवन में तनाव और चिंता में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में ब्रेन मैनेजमेंट तकनीकों जैसे मेडिटेशन, श्वास अभ्यास यानी ब्रीदिंग एक्सरसाइज और माइंड फुलनेस से नर्वस सिस्टम शांत होता है और इससे तनाव कम होता है।

बढ़ाइए दिमाग की क्षमता: न्यूरो साइंस के मुताबिक हमारा दिमाग न्यूरो प्लास्टिक होता है। इसका मतलब यह है कि दिमाग खुद को बदल सकता है और नई-नई क्षमताएं विकसित कर सकता है। इसलिए जब व्यक्ति नियमित रूप से ध्यान, पढ़ाई और फोकस आधारित कार्य करता है, तो दिमाग में न्यूरल कनेक्शन मजबूत होते हैं। इससे याद्दाश्त मजबूत होती है, निर्णय क्षमता बढ़ती है और समस्याओं के समाधान की हमारी क्षमता बढ़ जाती है। ब्रेन मैनेजमेंट इसी न्यूरो प्लास्टिसिटी का उपयोग करता है। *

एक साल में 40 से अधिक युवाओं को बनाया गैंग का हिस्सा

सोशल मीडिया बना गैंग भर्ती का पोर्टल

16 से 28 के युवा हो रहे शिकार बाइक, पैसा और हथियार टशन कर रहा आकर्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में अपराध का नया ट्रेंड सामने आया है, जहां विदेशों में बैठे गैंगस्टर स्थानीय युवाओं को अपने गिरोह में शामिल कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार पिछले एक साल में करीब 40 युवाओं को अलग-अलग गैंगों में शामिल किया गया है। यह भर्ती सीधे संपर्क के बजाय सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों के जरिए की जा रही है, जिससे कानून-व्यवस्था के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। बता दें कि तीन केसों में पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों की उम्र 21 से लेकर 27 वर्ष तक है।

कैसे बनते हैं आरोपी

शुरुआत में युवा यह समझ नहीं पाते कि वे अपराध की दुनिया में फंसते जा रहे हैं। गैंगस्टर उन्हें पैसे, रुतबा और सुरक्षा का लालच देते हैं। कई मामलों में युवाओं को बाइक, मोबाइल और नकदी दी जाती है। एक बार जब युवक गैंग के लिए कोई गैरकानूनी काम कर देता है, तो वह पूरी तरह गैंग के नियंत्रण में आ जाता है। इसके बाद उससे रंगदारी, फायरिंग या अन्य गंभीर अपराध करवाए जाते हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले एक साल में गिरफ्तार कई आरोपी ऐसे ही नेटवर्क के जरिए जुड़े पाए गए हैं।

सोशल मीडिया के जरिए होती है पहचान

गैंगस्टर सबसे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय युवाओं को टारगेट करते हैं। जो युवा हथियारों, स्टेटस या दबंगई से जुड़े पोस्ट डालते हैं, उन्हें चिन्हित किया जाता है। फेक आईडी या किसी जान-पहचान के जरिए उनसे संपर्क साधा जाता है। युवाओं को पहले छोटे-छोटे काम दिए जाते हैं, जैसे-किसी की रेकी करना, मैसेज पहुंचाना या डराने-धमकाने के लिए फोन कॉल करना। उन्हें गैंग के बड़े कामों में शामिल कर लिया जाता है।

किन-किन गैंग से जुड़े हैं युवा

जांच में सामने आया है कि रोहतक और आसपास के जिलों के युवा मुख्य रूप से हरियाणा और पंजाब के सक्रिय गैंगों से जुड़े हुए हैं। इनमें लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़, हिमांशु भाऊ और रोहित गोदारा गैंग में शामिल हैं, जिनका नेटवर्क विदेशों तक फैला हुआ है। ये गैंग कनाडा, अमेरिका और यूरोप में बैठकर भारत में अपने नेटवर्क को ऑपरेट कर रहे हैं। व्हाट्सएप कॉल, टेलीग्राम और अन्य एनक्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल कर निर्देश दिए जाते हैं, जिससे पुलिस के लिए इन तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

पुलिस के सामने बड़ी चुनौती

पुलिस के लिए यह मामला गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। साइबर सेल और स्पेशल टीमों को इस तरह के नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए लगाया गया है। कई मामलों में पुलिस ने युवाओं को समय रहते समझाकर अपराध की दुनिया से बाहर भी निकाला है। हालांकि, तकनीकी माध्यमों के कारण गैंगस्टरों तक पहुंचना अभी भी कठिन बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि अभिभावकों को भी अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए।

पुलिस के सामने बड़ी चुनौती

युवाओं को लगातार जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी प्रकार के गैंग या आपराधिक गतिविधियों से दूर रहें। इसके लिए समय-समय पर स्कूल, कॉलेज और सामाजिक स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि युवा सही दिशा में आगे बढ़ें। बावजूद इसके, कुछ युवा महंगे शौक, जल्दी पैसा कमाने की चाह और सोशल मीडिया पर दिखावे के प्रभाव में आकर गलत रास्ता चुन रहे हैं। गैंगस्टर युवाओं को बाइक, पैसा और हथियारों का लालच देकर अपने जाल में फंसा लेते हैं। शुरुआत में छोटे-छोटे काम देकर उन्हें विश्वास में लिया जाता है और धीरे-धीरे गंभीर अपराधों में शामिल कर दिया जाता है।

-सुरेंद्र भौरिया, एसपी, रोहतक

ये हैं तीन वारदातें

केस नंबर 1

- 16 फरवरी की रात दिल्ली बाइपास पर सोनीपत के युवक दिनेश उर्फ गोगा की हत्या
- दो नाबालिग समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार, हिमांशु भाऊ गैंग के सदस्य होने की आशंका

केस नंबर 2

- गांव बलियाना में शराब ठेके पर फायरिंग, तीन लोगों की मौत कई युवा गिरफ्तार
- राहुल बाबा और सुमित प्लोटरा गैंग के बीच गैंगवार में तीन लोगों की मौत हो गई है। गोलियां चलाने वाले में करीब 7 से 8 युवक

केस नंबर 3

- हरियाणा में बारातियों पर फायरिंग डीघल फाइनेंसर की 8 गोलियां मारकर हत्या, 7 आरोपी गिरफ्तार

मेरा शहर मेरी समस्या गोहाना अड्डा

जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नहीं कर पाए समाधान

चार साल से रोजाना दूषित पेयजल की सप्लाई, आज तक नहीं मिला फॉल्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग के अधिकारी कई बार शिकायत करने के बावजूद केवल औपचारिकता निभाकर चले जाते हैं, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है।

शहर के गोहाना अड्डा क्षेत्र में पिछले चार वर्षों से दूषित पेयजल की समस्या बनी हुई है, लेकिन जनस्वास्थ्य विभाग आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं कर पाया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभाग के अधिकारी को कई बार शिकायत करने के बावजूद केवल औपचारिकता निभाकर चले जाते हैं, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। दूषित पानी के कारण मोहल्ले के लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि रोजाना सप्लाई के दौरान शुरू में दो से तीन बाल्टी तक गंदा और बदबूदार पानी आता है। इसके बाद भले ही पानी साफ दिखाई देता है, लेकिन लोग उसे उपयोग करने से डरते हैं। उनका कहना है कि जब शुरुआत में ही पानी दूषित आता है, तो पूरी सप्लाई पर भरोसा करना मुश्किल हो जाता है।

फॉल्ट को ठीक करने की मांग

राजकुमार सहगल ने कहा कि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो मोहल्लावासी जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी शिकायत देंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द पाइप लाइन की जांच कर फॉल्ट को ठीक किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सके।

कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई

नरेश गांधी ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारी मौके पर आकर जांच का आश्वासन देते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। इस समस्या के कारण बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

अतिरिक्त खर्च बढ़ गया

पारस ने बताया कि उनका क्षेत्र किला मोहल्ला के नाम से भी जाना जाता है। गंदे पानी के कारण घरों में पीने के पानी के लिए अलग से इंतजाम करना पड़ रहा है, जिससे अतिरिक्त खर्च बढ़ गया है। कई बार पानी में मिट्टी और कीचड़ जैसी गंदगी भी नजर आती है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है।

परिवार के सदस्य हो रहे बीमार

सावित्री देवी ने बताया कि दूषित पानी के चलते परिवार के सदस्य बार-बार बीमार पड़ रहे हैं। डॉक्टर भी साफ पानी पीने की सलाह देते हैं, लेकिन मोहल्ले में यह सुविधा ही उपलब्ध नहीं है। पानी का प्रेशर बहुत कम होता है और हर घर तक पानी नहीं पहुंच पाता।

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

नशा मुक्त अभियान चलाने, गैंगस्टरों पर सख्ती और यातायात सुधार के दिए निर्देश

आईजीपी ने की अपराध और कानून व्यवस्था की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुलिस महानिरीक्षक सिमरदीप सिंह ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में क्राइम मीटिंग की अध्यक्षता की। बैठक में जिले में अपराध, कानून व्यवस्था और यातायात व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान वर्ष 2025 और 2026 में हुई आपराधिक घटनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में एसपी सुरेन्द्र सिंह भौरिया, एएसपी प्रतीक अग्रवाल, ट्रैनी आईपीएस रविन्द्र कुमार, डीएसपी सांपला राकेश, डीएसपी सिटी गुलाब, डीएसपी सीएडब्ल्यू दलीप, डीएसपी महम ऋषभ सोढी सहित सभी थाना व चौकी प्रभारी, सीआईए स्टाफ और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

आईजीपी ने स्पष्ट कहा कि रोहतक में सक्रिय गैंगस्टरों और उनके सदस्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सीआईए और साइबर टीमों को मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं का आपराधिक रिकॉर्ड है या जो गैंग से जुड़े रहे हैं, उनकी निगरानी की जाए और समय-समय पर उनसे संवाद स्थापित कर उन्हें सही दिशा दिखाने का प्रयास किया जाए। आईजीपी ने निर्देश दिए कि सभी थाना प्रभारी प्रतिदिन थाने में बैठकर आमजन की शिकायतें सुनें और उनका समयबद्ध समाधान करें। सभी शिकायतों को सीसीटीएनएस पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। शिकायतकर्ता को रसीद देना और तय समय सीमा में शिकायतों का निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सीसीटीवी को लेकर दिए सख्त निर्देश

आईजीपी ने निर्देश दिए कि जिले के सभी प्रमुख स्थानों जैसे पेट्रोल पंप, होटल, ढाबे, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मार्केट और कोचिंग संस्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। इसके साथ ही सभी गांवों के एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए जाएं और कम से कम 30 दिन का बैकअप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अपराध की रोकथाम और अपराधियों की पहचान में सीसीटीवी कैमरों की अहम भूमिका होती है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नशा मुक्त अभियान चलाने पर जोर

आईजीपी ने कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्रों में नशा मुक्त अभियान चलाकर आमजन को जागरूक करें। युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताया जाए और उन्हें इससे दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाए। नशे के आदी युवाओं की काउंसलिंग कर उन्हें नशा मुक्ति केंद्रों की मदद से सुधारने के प्रयास करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उनकी संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया।

असामाजिक तत्वों पर हो सख्ती

शहर, कस्बों और गांवों में आवारागर्दी करने वाले युवाओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। ऐसे युवकों की सूची तैयार कर उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखने को कहा गया। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही युवाओं को अपराध से दूर रखने के लिए संवाद बढ़ाने और उन्हें खेलों व सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने की बात कही गई।

महिला सुरक्षा को प्राथमिकता

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आईजीपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में हॉटस्पॉट चिन्हित करने के निर्देश दिए। इन स्थानों पर महिला पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। छेड़छाड़, पीछा करने और महिलाओं को परेशान करने वाले युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही पीड़िताओं को कानूनी सहायता, काउंसलिंग और मामलों की नियमित जानकारी देने पर भी जोर दिया गया।

पेट्रोलिंग और वाहन चेकिंग बढ़ाने के निर्देश

आईजीपी ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी पेट्रोलिंग प्लान बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपराध के समय और स्थान का विश्लेषण कर उसी अनुसार गश्त की जाए। साथ ही समय-समय पर नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से ब्लैक फिल्म, बत्ती लगे वाहन, ट्रिपल राइडिंग और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने को कहा गया।

राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने खरीदे वोट, कांग्रेस ने बेचे, इनेलो बिकाऊ नहीं : अर्जुन चौटाला

रोहतक। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस चुनाव की वास्तविकता जनता के सामने आ चुकी है, जिसमें भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त और कांग्रेस पर अपने विधायकों को बेचने के आरोप स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। शनिवार को रूपया चौक स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में भाग न लेना इनेलो संगठन का सामूहिक फैसला था। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने इनेलो से किसी प्रकार का संपर्क नहीं किया। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सांसद बने कर्मबीर बौद्ध को अभय सिंह चौटाला का धन्यवाद करना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस संगठन ने उन्हें समर्थन नहीं दिया, लेकिन परिस्थितियों के चलते उनकी जीत हुई। अर्जुन चौटाला ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि हरियाणा में कांग्रेस केवल एक व्यक्ति तक सीमित हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे स्थिति और स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि इनेलो 23 मार्च को नरवाना में शहीदी दिवस पर युवा सम्मेलन आयोजित करेगी, जो ऐतिहासिक होगा। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी होगी और प्रदेश में बदलाव का संदेश जाएगा।

भक्ति रस में डूबा डीएवी स्कूल, आर्य समाज स्थापना दिवस पर गूंजे भजन

रोहतक। डीएवी पब्लिक स्कूल, डीएलएफ कॉलोनी कमला नगर में आयोजित आर्य समाज स्थापना दिवस उत्सव के तीसरे दिन भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे परिसर को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति और भक्ति संगीत से जोड़ना रहा। विद्यार्थियों ने अपने मधुर स्वरों में भजन प्रस्तुत कर ईश्वर भक्ति, सदाचार और समाज सुधार के संदेश दिए। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित शिक्षकों और अभिभावकों को भावविभोर कर दिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का चयन उनके गायन की लय, सुर और शब्दों की शुद्धता के आधार पर किया गया। सभी प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में शांति पाठ के साथ तीसरे दिन का गरिमामय समापन किया गया। स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक शिक्षा को मजबूत करते हैं।

क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायक गद्दार: बलराम दांगी

महम। महम से कांग्रेस पार्टी के विधायक बलराम दांगी ने शनिवार को पार्टी कार्यालय में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के जिन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की है, वे पार्टी के गद्दार हैं। ऐसे लोगों को पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए। पार्टी मां होती है। मां के साथ गद्दारी किसी भी लिहाज से उचित नहीं है। उनकी पार्टी के पांच विधायकों ने उन लोगों को धोखा दिया है, जिन्होंने उनको चुनकर विधानसभा में भेजा है। नैतिकता के आधार पर इन विधायकों को अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। विधायक बलराम दांगी ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध को जीत के लिए बधाई दी है और कहा है कि जल्द ही कर्मवीर बौद्ध महम आएंगे और यहां पर उनके सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। बलराम दांगी ने कहा कि वे मजबूती के साथ हरियाणा विधानसभा में महम हलके की जनता की समस्याएं उठा रहे हैं। हाल ही में सम्पन्न हुए बजट सत्र के दौरान भी उन्होंने महम के लोगों की कई समस्याएं विधानसभा में उठाई हैं। इस मौके पर जाट शिक्षण संस्थान रोहतक के उपप्रधान धर्मराज खेड़ी, कांग्रेस के जिला ग्रामीण उपप्रधान बाल किशन शर्मा, युवा हलका अध्यक्ष पूर्व सरपंच आशीष, जिला महासचिव संजय राठी व अमित नंबरदार, जिला सचिव तस्वीर व घासी राम धानक समेत कई पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

- **विधायक ने कहा, विधानसभा में मजबूती से उठा रहा हूं महम की जनता की आवाज**

महम। पत्रकारों को संबोधित करते महम से विधायक बलराम दांगी। फोटो : हरिभूमि

छात्रों व शोधार्थियों के डिजाइन, मॉडल का बिना अनुमति कोई अन्य नहीं कर सकेगा प्रयोग

सुपवा का पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क पर रहेगा फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट (आईपीआर) प्रकोष्ठ के गठन का रास्ता साफ हो गया है। आईपीआर को अपनाने के बाद यहां के छात्रों व शोधार्थियों के डिजाइन, मॉडल, फिल्मों को कोई भी बिना अनुमति के प्रयोग नहीं कर सकेगा। इसलिए सुपवा का फोकस इनके पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, जीआई पंजीकरण, औद्योगिक डिजाइन पर रहेगा। बौद्धिक संपदा अधिकार (इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट) हासिल करने के लिए जरूरी कार्य शुरू करने की मंजूरी यूनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटिव काउंसिल (ईसी) ने दे दी है।

डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने बताया कि आईपीआर उन व्यक्तियों के अधिकारों को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनके पास एक अनोखा विचार होता है और जो अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा करना चाहते हैं। बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों को अत्याधुनिक अनुसंधान करने, नई तकनीकों का विकास करने और मौलिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे उनकी बौद्धिक गतिविधियों के लिए कानूनी सुरक्षा और संभावित वित्तीय लाभ प्राप्त होते हैं। डॉ आर्य ने बताया कि बौद्धिक संपदा के स्वामित्व, लाइसेंसिंग और वाणिज्यीकरण के लिए अकादमिक, उद्योग और अन्य हितधारकों के बीच समझौतों से सहयोग, संयुक्त उद्यम और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आदि गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है, जिससे अकादमिक अनुसंधान का वास्तविक दुनिया में अनुप्रयोग में रूपांतरण होता है। आईपीआर उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है, आर्थिक मूल्य उत्पन्न करता है, और रोजगार सृजन व सामाजिक प्रगति में सहायता करता है।

मजबूत बौद्धिक चैरिटेबल समूहों की पसंद के तौर पर स्थापित करेगा

डॉ. आर्य ने कहा कि बौद्धिक संपत्ति अधिकार नवाचार और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित करने के साथ ही शैक्षणिक स्वतंत्रता और विचारों के मुक्त आदान-प्रदान की भी सुरक्षा करते हैं। मजबूत बौद्धिक संपदा संरक्षण डीएलसीसुपवा को फंडिंग एजेंसियों, निवेशकों और चैरिटेबल समूहों की पसंद के तौर पर स्थापित करेगा। जिससे आईपीआर सेल अनुसंधान फंडिंग, वेंचर कैपिटल निवेश और चैरिटेबल सहायता प्राप्त करके और अधिक नवाचार और अध्ययन को बढ़ावा दे सकेगा। डॉ. आर्य ने बताया कि सुपवा के विजुअल आर्ट्स के छात्रों द्वारा किए गए कलात्मक कार्य, डिजाइन डिपार्टमेंट द्वारा तैयार किए गए नए व अनोखे डिजाइन, प्लानिंग एवं आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट द्वारा बनाए जा रहे मॉडल, फिल्म एवं टेलीविजन डिपार्टमेंट द्वारा बनाई जा रही फिल्में अपने आप में यूनिक हैं।

इन्हें मिलता है बौद्धिक संपदा में स्थान

साहित्यिक, कलात्मक व वैज्ञानिक कार्य, प्रदर्शन करने वाले कलाकारों का प्रदर्शन, फोनोग्राम व प्रसारण, मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में आविष्कार, वैज्ञानिक खोज, औद्योगिक रचना (डिजाइन), ट्रेडमार्क, सेवा चिह्न, व्यावसायिक नाम और पदनाम, अनुचित प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा और औद्योगिक, वैज्ञानिक, साहित्यिक या कलात्मक क्षेत्रों में बौद्धिक गतिविधि से उत्पन्न अन्य सभी अधिकार को शामिल किया जा सकता है।

टीबी उन्मूलन में अग्रणी 25 पंचायतें सम्मानित, निक्षय मित्र बनने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 25 ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया गया। जिला विकास भवन में आयोजित 'टीबी मुक्त पंचायत' सम्मान समारोह में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने सरपंचों और जनप्रतिनिधियों को गांधी प्रतिमाएं व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अतिरिक्त उपायुक्त कुमार ने लोगों से 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों की मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि टीबी केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक चुनौती भी है, ऐसे में मरीजों को पोषण और मनोबल दोनों की जरूरत होती है।

कार्यक्रम में वर्ष 2025-26 के लिए 11 पंचायतों को सिल्वर, 11 को कांस्य और तीन पंचायतों को गोल्ड अवार्ड दिया गया। अतिरिक्त उपायुक्त ने सम्मानित पंचायतों की सराहना करते हुए कहा कि इनका कार्य अन्य गांवों के लिए प्रेरणा का दीपक है। उन्होंने कांस्य और सिल्वर अवार्ड प्राप्त पंचायतों को अगले स्तर तक पहुंचने के लिए और अधिक प्रयास करने की सलाह दी, जबकि गोल्ड अवार्ड विजेताओं से अपनी उपलब्धि को बनाए रखने का आह्वान किया। सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र आर्य ने कहा कि सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) सहित कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने 'निक्षय मित्र' अभियान के तहत मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया, जिससे उनके शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता मिल सके।

इनको मिला सम्मान

समारोह में मैणी मैरों, सिसरोली, बेडवा, कटवाड़ा, घिलौड़ खुर्द, अटायल, गढ़ी व ककराना सहित कई पंचायतों को सिल्वर अवार्ड, जबकि निदाना, समरगोपालपुर खुर्द, जिंदरान, नांदल, गुगाहेड़ी, नसीरपुर, कारौर व भाली आनंदपुर को कांस्य मिला। घुसकानी, जैतपुर और मसूदपुर पंचायतों को गोल्ड अवार्ड से नवाजा गया। कार्यक्रम का आयोजन उप सिविल सर्जन (टीबी) डॉ. विकास के निर्देशन में हुआ। इस दौरान जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शहर में 19 जगहों पर चलाया अभियान, दुकानदारों को चेतावनी

निगम टीम ने अवैध अतिक्रमण करने वालों के काउंटर व टेबल किए जब्त

रोहतक। शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान सामान उठाकर ले जाते निगम अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

- सड़कों पर हो रखा था अवैध अतिक्रमण, यातायात व लोगों को आने जाने में हो रही थी समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान निरंतर चलाया जा रहा है जिस दौरान अतिक्रमण करने वालो को चिन्हित कर उनके चालान किए जा रहे है। इसी कड़ी में नगर निगम की एन्फोर्समेंट टीम ने भू-अधिकारी संदीप बतरा की निगरानी व अतिक्रमण निरीक्षक गुरदेव सिंह की देख-रेख में शांतमई चौक, छोटूराम चौक, सोनीपत स्टैंड, मानसरोवर पार्क, डी-पार्क, मैडिकल मोड़, पावर हाउस चौक, तिकोना पार्क इत्यादि स्थानो से अतिक्रमण हटवाने का अभियान चलाया जा रहा है जिस दौरान अतिक्रमण करने वाले 19 व्यक्तियो का सामान जब्त किया गया। अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होता है तथा आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ता है। परन्तु कुछ दुकानदार सड़कों, फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अवैध अतिक्रमण कर लेते है जिससे यातायात व आमजन के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है। पहले भी यह बताया जा चुका है कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। नगर निगम द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाएगा।

यातायात हो रहा बाधित

निगम कमिश्नर डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि जिन द्वारा सड़कों पर अवैध रूप से सामान रखा हुआ था जैसे बोर्ड, बड़े काउंटर इत्यादि, जिनसे यातायात बाधित हो रहा था। इसके अतिरिक्त निगम की टीम द्वारा दुकानदारो से अपील भी की गई कि अतिक्रमण न करें अन्यथा नगर निगम द्वारा संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगें।

व्यापारियों से की अपील

निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों एवं व्यापारियों से पुन अपील की गई कि वे स्वेच्छा से सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाएं तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। इससे यातायात भी प्रभावित नहीं होगा और लोगों को आने जाने में किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह कार्रवाई अब निरंतर जारी रहेगी। क्योंकि निगम को बार-बार शिकायतें भी मिल रही है। ऐसे में लोगों को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

रोहतक। विद्यार्थियों को सम्मानित करते निगम आयुक्त। फोटो : हरिभूमि

छात्रों ने सेल्फ-वाटरिंग प्लांट सिस्टम व हेलिक्स सेग्रीगेटर पर बनाए प्रोजेक्ट

- विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक और सरल उपकरणों से तैयार किए पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम कार्यालय द्वारा सभी स्कूलो में स्वच्छता एवं पौधा-रोपण, पर्यावरण एवं जल संरक्षण हेतु बच्चो को उत्साहित करने तथा उन्हे गतिविधियो के माध्यम से शामिल करने बारे कहा गया था। इसी कड़ी में मॉडल स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अभिनव एवं पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्टस ''सेल्फ-वाटरिंग प्लांट सिस्टम'' व ''हेलिक्स सेग्रीगेटर'' तैयार कर, उसे आयुक्त नगर निगम के समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा उनके संचालन की प्रक्रिया बारे भी अवगत करवाया गया, जिसकी सराहना करते हुए आयुक्त द्वारा विद्यार्थियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। मॉडल स्कूल के अभिनव एवं पर्यावरण हितैषी प्रोजेक्ट ''सेल्फ-वाटरिंग प्लांट सिस्टम'' तैयार प्रोजेक्ट आधुनिक तकनीक और सरल उपकरणों के संयोजन से तैयार किया गया है, जो जल संरक्षण एवं पौधों की स्वचालित देखभाल के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि विशेष बात यह है कि इस सिस्टम को बिना किसी जटिल माइक्रोकंट्रोलर के विकसित किया गया है, जिससे यह किफायती एवं आमजन के लिए उपयोग में आसान बनता है। इस माडल में सॉयल माइस्चर सेंसर, 5 वोल्ट रिले माडयूल, मिनी डीसी वाटर पंप एवं 5 वोल्ट पावर सप्लाई का उपयोग किया गया है। जब मिट्टी में नमी का स्तर कम हो जाता है, तो सॉयल माइस्चर सेंसर रिले को संकेत देता है, जिससे वाटर पंप चालू होकर पौधों को आवश्यकतानुसार पानी उपलब्ध कराता है। जैसे ही मिट्टी में पर्याप्त नमी हो जाती है, सेंसर रिले को निष्क्रिय कर देता है और पंप स्वत बंद हो जाता है। इस प्रक्रिया से पानी की अनावश्यक बर्बादी रुकती है और पौधों को उचित मात्रा में सिंचाई सुनिश्चित होती है।

यह एक सराहनीय पहल

एक परियोजना पर्यावरण संरक्षण एवं आधुनिक तकनीक के समन्वय की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में ''हेलिक्स सेग्रीगेटर'' को प्रस्तुत किया गया है। यह प्रोजेक्ट सौर ऊर्जा एवं स्वचालित कचरा पृथक्करण प्रणाली को एकीकृत करता है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं ऊर्जा-कुशल बनाया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत सोलर ट्रैकिंग सिस्टम स्थापित किया गया है, जो दिनभर सूर्य की दिशा के अनुसार स्वतः संचालित होकर सोलर पैनल को अधिकतम धूप उपलब्ध कराता है। इससे पारंपरिक स्थिर पैनलों की तुलना में अधिक ऊर्जा उत्पादन संभव होता है।

मां चंद्रघंटा की पूजा से भय दूर होकर साहस का होता है संचार : साध्वी मानेश्वरी

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को श्रद्धा और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री जी के सानिध्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वहीं शहर के गौकर्ण डेरा, बाबा बालकपुरी डेरा और दुर्गा भवन मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने मां चंद्रघंटा की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे शहर में नवरात्रि पर्व को लेकर उत्साह और आस्था का माहौल बना हुआ है। साध्वी मानेश्वरी देवी ने कहा कि मां चंद्रघंटा की उपासना से मनुष्य के भीतर से भय समाप्त होता है और साहस, आत्मविश्वास तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने बताया कि मां का यह स्वरूप भक्तों को शांति और शक्ति प्रदान करता है तथा जीवन की कठिनाइयों से लड़ने की प्रेरणा देता है।

सीएम के समक्ष उठा नगर निगम में भ्रष्टाचार का मुद्दा, सतीश प्रजापति ने की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। चंडीगढ़ स्थित आवास पर मुख्यमंत्री नायब सैनी के सामने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते सतीश प्रजापति व अन्य। फोटो : हरिभूमि

जिला अध्यक्ष सतीश प्रजापति हरियाणा उद्योग व्यापार हित ने शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित उनके निवास पर प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात कर नगर निगम में कथित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी में भारी गड़बड़ियां हैं, जिन्हें ठीक करवाने के लिए लोग वर्षों से भटक रहे हैं।

प्रतिनिधियों ने बताया कि पीड़ित नागरिक जब अपनी ओरिजिनल रजिस्ट्री और दस्तावेज लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचते हैं तो उनकी प्रॉपर्टी आईडी दुरुस्त नहीं की जाती। आरोप लगाया गया कि जब लोग पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर और मेयर राम अवतार वाल्मीकि की सिफारिश भी करवाते हैं, तब भी समाधान नहीं होता। प्रतिनिधिमंडल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कई मामलों में कर्मचारियों द्वारा काम करने के लिए पैसों की मांग की जाती है। जो व्यक्ति पैसे दे देता है, उसका काम कुछ ही मिनटों में हो जाता है, जबकि अन्य लोगों के काम लंबित पड़े रहते हैं। उन्होंने बताया कि जब पीड़ित कमिश्नर से मिलने जाते हैं तो डीएमसी स्टाफ उन्हें मिलने नहीं देता है।

पुलिस तंत्र पर भी लगाए आरोप

इसके अलावा पुलिस तंत्र पर भी आरोप लगाए गए कि कुछ स्थानों पर नशे के कारोबार को संरक्षण दिया जा रहा है और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती। प्रतिनिधिमंडल ने 20 मार्च को नगर निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ किए गए प्रदर्शन की जानकारी देते हुए वीडियो और कॉल रिकॉर्डिंग जैसे सबूत भी मुख्यमंत्री को सौंपे। मुख्यमंत्री ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मामले की निष्पक्ष जांच करवाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों ने मांग की कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात कर्मियों का तबादला किया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

एचडी लिटिल स्कूल में ग्रेजुएशन-डे पर नन्हे मुन्नों ने शानदार प्रस्तुतियों से मोहा मन

रोहतक। सनसिटी सेक्टर-35 स्थित एच डी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में ग्रेजुएशन डे का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फौगाट और जयपाल सिगरोहा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्या जगवंती कादयान व निदेशक सुरेंद्र फौगाट ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गाउन और कैप पहनाकर ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फौगाट ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे मजबूत नींव होती है और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। वहीं प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी और मेहनत के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का मंच संचालन कोऑर्डिनेटर प्रगति द्वारा किया गया। समारोह में अभिभावकों और स्टाफ की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।

अरविंद दहिया ने नंगे पैर 10 किमी दौड़कर पूरे किए लगातार दौड़ने के 2100 दिन

रोहतक। छोटू राम स्टेडियम में शनिवार को बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक एवं रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया ने नंगे पैर 10 किलोमीटर दौड़ लगाकर लगातार दौड़ने के 2100 दिन पूरे कर एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने 20 जून 2020 से बिना किसी अवकाश के प्रतिदिन दौड़ने की शुरुआत की थी, जो आज भी निरंतर जारी है। 58 वर्षीय दहिया अब तक कुल 20,018 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने एक 50 किमी अल्ट्रामैराथन, 17 फुल मैराथन और 239 हाफ मैराथन पूरी की हैं। उनकी दैनिक दौड़ न्यूनतम 3 किमी और अधिकतम 50 किमी रही है। खराब मौसम या अन्य बाधाओं के बावजूद उन्होंने अपनी दिनचर्या नहीं छोड़ी। इसके अलावा उन्होंने 6734 किमी साइक्लिंग और 4734 किमी वॉकिंग भी की है। सेक्टर-3 रोहतक निवासी दहिया मूल रूप से सोनीपत के गांव रोहणा के रहने वाले हैं और बीएसएनएल मुख्यालय, नई दिल्ली में कार्यरत हैं। उनकी यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय सांपला ने पगड़ी पहनाकर किया बुजुर्गों का सम्मान

सांपला। शनिवार को पंजाबी कम्यूनिटी सेंटर में ब्रह्म कुमारी विश्वविद्यालय की सांपला शाखा द्वारा बुजुर्गों के लिए संगम सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें इलाके के सैकड़ो बुजुर्ग शामिल हुई। वही माउंट आबू से 91 वर्ष की डॉक्टर ब्रह्मकुमारी शुक्ला दीदी बी सांपला पहुंची। उनके सम्मान में एक रैली भी निकल गई। वही बुजुर्गों को पगड़ी पहनकर सम्मानित किया गया। सांपला शाखा इंचार्ज ललीत भाई ने बताया कि इस समारोह में इलाके के सैकड़ो बुजुर्ग सामिल हुए। इस मौके पर अतरसिंह, सचदेवा संदीप मकड़ संतोष मलिक, मधुकांत, कृष्ण लाल, डॉ धर्मवीर डॉक्टर शारदा आदि शामिल थे।

5वीं खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स में गुलशन शर्मा ने जीता गोल्ड व ब्रॉन्ज

रोहतक। चंडीगढ़ के एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित 5वीं खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स में रोहतक के खिलाड़ी गुलशन शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गोल्ड और एक ब्रांज मेडल अपने नाम किया। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता 20 मार्च से 22 मार्च 2026 तक आयोजित की गई, जिसमें देशभर से अनुभवी खिलाड़ियों ने भाग लिया। गुलशन शर्मा ने 4×100 मीटर रिले रेस में अपनी टीम के साथ बेहतरीन तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं, हैमर थ्रो स्पर्धा में भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने अनुभव व प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विश्व वन दिवस पर 21 पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में 21 पौधे रोपे गए, जिनमें फलदार और छायादार प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में हरित वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस पौधारोपण अभियान में वन विभाग के सहयोग के साथ जन कल्याण पौधारोपण धर्मार्थ ट्रस्ट और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में जिला संयोजक संजय मलिक, डॉ. बिजेंद्र, डॉ. सुरेश मलिक, राजबीर दहिया, मंजीत नांदल, पवन, जगत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से वन राजिक अधिकारी सुभाष कालरा के नेतृत्व में टीम ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। उनके साथ वन दरोगा मनीष, जितेंद्र, निशात आदि मौजूद रहे।

रोहतक। ईद पर्व पर नमाज अदा करते मुस्लिम समुदाय के लोग। फोटो :हरिभूमि

राजनीति शुक्रवार को राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने दी थी 27 मार्च की रैली की जानकारी

महम भाजपा में गुटबाजी उजागर, सीएम की रैली स्थगित

- दीपक हुड्डा कई सरपंचों व पार्षदों को लेकर चंडीगढ़ सीएम हाऊस पहुंचे, उन्होंने सीएम से मिलकर रैली को स्थगित करवाया

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

महम विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के अंदरुनी मतभेद अक्सर सामने आते रहते हैं। कई बार तो गुटबाजी और आपसी कलह के चलते कार्यकर्ताओं में धक्का मुक्की व हाथापाई तक की नौबत तक आ जाती है। 27 मार्च को महम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली प्रस्तावित थी। जिसको लेकर महम की जनता में खासा उत्साह देखने को मिल रहा था। हलकावासियों को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री आएंगे तो महम के विकास को पंख लगेंगे। मुख्यमंत्री को कई विकास परियोजनाओं के शिलान्यास करने थे। कुछ की घोषणाएं की जानी थी और कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन मुख्यमंत्री को करने थे। महम निवासी राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा इस रैली के संयोजक थे।

महम। चंडीगढ़ स्थित सीएम आवास पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करते महम क्षेत्र के जनप्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

लाखन माजरा खंड के सरपंचों ने भाजपा नेता दीपक हुड्डा के साथ की मुलाकात

लाखन माजरा खंड के सरपंचों ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे पहले कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़े हुए थे, दीपक हुड्डा के कहने पर ही उन्होंने भाजपा ज्वाइन की है। दीपक हुड्डा महम हलके में पार्टी के लिए बेहतर तरीके से काम कर रहे हैं। रैली दीपक हुड्डा की अगुवाई में होनी चाहिए। सरपंचों ने कहा कि यदि यह रैली लाखन माजरा में होती है तो वहां पर और भी बड़ी रैली हो सकती है। सरपंचों के कहने पर मुख्यमंत्री ने महम में होने वाली 27 मार्च की रैली को स्थगित कर दिया और न ही कोई रैली की कोई नई तारीख बताई।

रैली स्थगित करवाकर अच्छा नहीं किया

दिनभर यही चर्चा थी कि राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा को विधानसभा प्रत्याशी को साथ लेकर रैली की तैयारियां की जानी थी। वहीं महम हलके की जनता के बीच यह भी गलत संदेश गया है कि दीपक हुड्डा ने रैली स्थगित करवाकर अच्छा नहीं किया। क्योंकि बड़ी मुश्किल से और लंबे अंतराल बाद महम में मुख्यमंत्री ने रैली के लिए समय दिया था। दीपक हुड्डा ने महम के विकास में रोड़ा अटकाने का काम किया है। अब पता नहीं महम में सीएम की रैली हो पाएगी। हालांकि यह तो समय ही बताएगा कि महम में सीएम की रैली कब होगी, लेकिन रैली के चलते भाजपा नेताओं की आपसी फूट खुलकर सामने आ गई है।

तैयारियों की जिम्मेदारी सौंपी

रामचंद्र जांगड़ा ने गत शुक्रवार दोपहर को महम काठमंडी स्थित अपने आवास पर पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी थी कि 27 मार्च को महम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली है। प्रेस कांफ्रेंस के तुरंत बाद उन्होंने रैली की तैयारियों को लेकर महम हलके के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। इस बैठक में कार्यकर्ताओं को रैली की तैयारियों को लेकर जिम्मेवारी सौंपी गई। जैसे ही इस बात की सूचना महम से विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी रहे दीपक हुड्डा के पास पहुंची तो वे लाखन माजरा और महम क्षेत्र के कई सरपंचों व महम नगर पालिका के कुछ पार्षदों को लेकर शाम को चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए। महम के इन जनप्रतिनिधियों ने रात को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ मुलाकात की।

ON ALL MRP 6% OFF

Elenta Mart

A PERFECT HYPERMARKET

UPTO 80% OFF

Navratri Sale

FRESCA DRINK 1L FREE On Shopping Of ₹1999 & Above

1KG SUGAR ₹1 On Shopping Of ₹2999& Above

21 MAR - 29 MAR

*T&C APPLY

ROHTAK | BAHADURGARH | JHAJJAR | SAMPLA | GOHANA | KARNAL | SONIPAT | HISAR | BHIWANI

Navratri Items

CHIPS . MARMUDA . LADDOO . KUTTU ATTA . SABUDANA & MORE.

UPTO 50% OFF

COCA / SPRITE/ FANTA / LIMCA 2LTR — ₹69

REAL JUICE 1 L — 20% OFF ON MRP

LAHORI ZEERA 24 PCS — ₹180

MANGO SIP 1LTR — BUY 1 GET 1 FREE

FRESCA — BUY 1 GET 3 FREE

RED BULL — ₹99

BEANUT PEANUT BUTTER 1 KG — BUY 1 GET 1 FREE

GM POHA(500G) — BUY 1 GET 1 FREE

AMUL TOMATO KETCHUP — BUY 1 GET 1 FREE

DEHAAT MAKHANA — BUY 1 GET 1 FREE

MCCAIN 1.2KG — BUY 1 GET 1 FREE

BREGANO PASTA ALL VARIANTS — BUY 1 GET 1 FREE

HURRICANE ENERGY DRINK (250 ml) — BUY 1 GET 1 FREE

UNIFIT MUESLI HONEY & STRAWBERRY — BUY 1 GET 2 FREE

SATMOLA NAMKEEN — BUY 1 GET 1 FREE

MARVEL PREMIUM TEA 250GM / 1KG — BUY 1 GET 1 FREE

24 MANTRA MUSTARD OIL 1 LTR ML — BUY 1 GET 1 FREE

PATANJALI COW GHEE 1L — ₹670

24 MANTRA ATTA 5KG — BUY 1 GET 1 FREE

Fortune atta (10 kg) — ₹409

PATANJALI ATTA 10KG — OUR PRICE ₹399

AASHIRVAAD ATTA 10KG — OUR PRICE ₹439

TATA TEA PREMIUM 1 KG — ₹329

DAAWAT ROZANA GOLD BASMATI RICE 5 KG — ₹399

MUSCLEBLAZE — UPTO 40% OFF ON MRP

BUDWEISER NON ALCOHOLIC — BUY 1 GET 2 FREE

RAJDHANI BESAN 1 KG — ₹85

LOOSE SUGAR 5 KG — OUR PRICE ₹230

HALDIRAM NAMKEEN — 12.5% OFF ON MRP

PREET LITE — ₹309

Rohtak, Bus Stand
Bus Stand Rd, adjacent to D2M Hotel, near New, Vikas Nagar, Rohtak
Contact: +91-8199999480

Rohtak, Model Town
NEAR APEX HOSPITAL Model Town, Rohtak
Contact: +91-9350999480

Karnal
Meerut - Karnal Rd, near Devilal Park, Rajinder Nagar, Sector 14, Karnal
Contact: +91-90530 86555

Dighal
Sampla Beri Road, Dighal.
Contact: +91-7419202127

Bahadurgarh
Ammarta Arcade Mall, Opposite Metro Pillar No. 816, Bahadurgarh.
Contact: +91-9992296899

Sampla
Elenta Mart,Old Delhi Road, Opposite Beri Mod, Sampla.
Contact: +91-8930062800

Gohana
Elenta Mart, Old Bus Stand Road, Near Narwal Petrol Pump, Gohana.
Contact: +91-7419002626

Jhajjar
W9 Shop No. 771, Bhagat Singh Chowk, Jhajjar.
Contact: +91-8750187531

Sonipat
ITI Chowk, near Sai Mandir, Kabirpur, Sonipat, Haryana.
Contact: +91 90530 87555

Zirakpur
Opera Garden Complex, Kishanpura (near Sector 20, Dhakoli)
Contact: +91-89300 79600

Hisar
Tower Enclave, Jindal Chowk opposite HDFC Bank, Hisar
Contact: +91-9896938427

Bhiwani
Meham Gate, opposite Saini Juice, Bhiwani, Haryana.
Contact: +91 99960 31240

UPCOMING BRANCHES
Mohali | Ghaziabad | Pinjore | Sirsa | Panipat | Narnaul | Jind | Rewari

Offers and prices may vary from branch to branch.
PRICES ARE SUBJECT TO CHANGE WITHOUT PRIOR NOTICE.

FOLLOW US ON :
elenta_mart
elenta mart

Payment Accepted

*T& C.APPLY
*STORE IS FREE TO WITHDRAW ANY SCHEME ANYTIME. *SCHEME VALID ONLY TILL STOCKS LAST* STORE IS FREE TO DECIDE QUANTITY OR PRODUCT GIVEN UNDER ANY SCHEME *ELENTA MART WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY KIND OF MISPRINT IN THE PAMPHLET *PRODUCT IMAGES ARE FOR ILLUSTRATIVE PURPOSES ONLY *TWO OFFERS WILL NOT BE CLUBBED TOGETHERBESAN & SUGAR SCHEME IS NOT APPLICABLE TO GHEE, EDIBLE OIL, ATTA, SUGAR, AND PAMPHLETS OFFER ITEMS.
*All Products are subject to availability & Some Items/Schemes may not be available at some stores. *Some offers may not be applicable on online shopping.